हरिभूमि रायपुर भूमि

कमल विहार में ज्यादा

क्राइम क्यों...

रात 9 बजे हरिभूमि की टीम पहुंची कमल विहार, स्ट्रीट लाइटें बंद, अंधेरे में डूबे सभी सेक्टर, हर तरफ सन्नाटा

हरिभूमि सरोकार

90 फीसदी लाइटें बंद, आरोप- आरडीए पैसे बचा रहा

लक्ष्मण लेखवानी के साथ अजय साहू ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर का कमल विहार....पिछली सरकार में कौशल्या विहार बन गया था। नाम तो बदल गया लेकिन कमल विहार की किस्मत नहीं बदली। सफाई और पानी जैसी समस्याओं को लोग बर्दाश्त भी कर लें, लेकिन जब बात जान पर बन आए तो क्या क्या करें? कुछ ऐसा ही हाल कमल विहार निवासियों का है। नशाखोरी, मारपीट, चोरी, लूट से लेकर हत्या ▶▶|शेष पेज 18 पर

न चौकीदार न पुलिस की गाड़ी

इतने बड़े इलाके की सुरक्षा के लिए हमें कोई व्यक्ति तैनात नजर नहीं आया। पुलिस की कोई गाड़ी नहीं दिखी। कोई गश्त करते हुए नहीं दिखा। यहां तक कि सुनसान सड़कों पर कहीं पर भी एकाध चौकीदार तक नहीं था। लोगों का आरोप है कि आरडीए पैसे बचाने के लिए लाइटें बंद कर देता ताकि बिजली के बिल से बचा जा सके। हालांकि इस संबंध में आरडीए का पक्ष जानने के बाद ही कुछ स्पष्ट कहा जा सकता है।

चोरी के अलावा लूट व हत्या की वारदात भी हो चुकी

कमल विहार में चोरी की सैकड़ों वारदातें हो चुकी हैं। चोरों ने कमल विहार में लगी स्ट्रीट लाइटों की बैटरी से लेकर वायर के अलावा गटर पर लगे लोहे के ढक्कन के अलावा कुछ घरों में भी चोरी हो चुकी है। यहीं नहीं मोबाइल व नकदी की लूट के अलावा हाल ही में एक महिला की भी हत्या कर लाश को यहां फेंक दिया गया था।

मकानों में लगी लाइट का ही सहारा

कमल विहार में लगभग हर सेक्टर में मकान बन चुके हैं। इनमें से कई सेक्टरों में कालोनियां तक बस चुकी हैं, जहां स्वतंत्र मकानों के अलावा बड़ी संख्या में फ्लैट्स भी बने हैं। कमल विहार की सड़कों पर सौलर पैनल की स्ट्रीट लाइटें लगी हुई हैं, लेकिन टीम ने जब कमल विहार का जायजा लिया तो लगभग 90 प्रतिशत स्ट्रीट लाइटें बंद मिली। स्ट्रीट लाइटों के नहीं जलने के कारण यहां रहने वाले कई परिवार अपने मकानों के बाहरी दीवारों पर लाइटें लगा रखे हैं, ताकि चोरी या अन्य किसी प्रकार की अपराधिक वारदातों की स्थिति से बचा जा सके।

सिर्फ पंप हाउस में जलती मिली लाइटें

टीम की पड़ताल के दौरान कमल विहार में अगर कहीं जलती लाइट मिली तो वह सिर्फ रायपुर विकास प्राधिकरण के पंप हाउस में मिली। इन पंप हाउस में दो-दो लाइटें लगी हुई थी, जली हुई थीं। बाकी पूरा कमल विहार या कौशल्या विहार अंधेरे में डूबा हुआ था।

खबर संक्षेप

घर में बोला धावा मोबाइल-नकदी पार

रायपुर। डीडी नगर पुलिस ने चोरी के मामले में अपराध पंजीबद्ध किया है। प्रार्थिया नीलिमा तिग्गा निवासी विकास विहार कालोनी रायपुरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 3 जून की रात 10 बजे से 4 जून के सुबह 8 बजे के दौरान कोई अज्ञात चोर उसके घर के हॉल में प्रवेश किया और वहां पड़े पर्स में रखे एक आईफोन, एक रेडमी कंपनी का मोबाइल तथा नकदी 5 हजार रुपए चोरी कर ले गया। पुलिस ने मामले में अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध किया है।

पुरानी रंजिश पर कुल्हाड़ी से हमला, घायल

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र के रायपुरा में एक व्यक्ति को आरोपी ने कुल्हाड़ी से मारकर घायल कर दिया। घटना 7 जून की रात 11 बजे एचएम अस्पताल के पास की है। घटना की रिपोर्ट घायल व्यक्ति की पत्नी सावित्री निराला ने दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी धनराज यादव निवासी रायपुरा की घायल व्यक्ति के साथ पुरानी रंजिश थी। इसके चलते धनराज ने कुल्हाड़ी से हमला किया, जिससे प्रार्थियां के पति को चोट आई है। पुलिस ने मामले में आरोपी के विरुद्ध धारा 294,323,506 के अपराध पंजीबद्ध किया है।

मकान खाली नहीं करने पर किरायेदार को पीटा

रायपुर। मकान खाली नहीं करने की बात पर मकान मालिक ने किरायेदार की पिटाई कर दी। घटना 6 जून की रात 7 बजे गोपाल रामनगर गुढ़ियारी की है। प्रार्थी उमेश साहू ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उमेश का कहना है कि वह किराए के मकान में रहता है, जिसका मालिक कनवर बाग निवासी समता कॉलोनी है। घटना के दिन कनवर ने उमेश से मकान खाली करने की बात पर विवाद किया और फिर गाली-गलौच करते हुए उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने मामले में धारा 294, 506 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

चाकू लेकर घूमते धरा गया बदमाश

रायपुर। पुरानी बस्ती पुलिस ने एक बदमाश को चाकू के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी अश्वनी यदु महामाया पारा पुरानी बस्ती का रहने वाला है। आरोपी महराजबंद तालाब के पास चाकू लेकर घूम रहा था, जिसे गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चाकू जब्त किया गया। पुलिस ने इस मामले में धारा 25 आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

महिला सुरक्षा गार्ड ने आंबेडकर अस्पताल में लगाई फांसी

रायपुर। आंबेडकर अस्पताल में तैनात महिला सुरक्षा गार्ड ने शनिवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोपहर ओपीडी के बाद रेडियोलॉजी विभाग के बंद रहने वाले एक कमरे में उसने पंखे से फंदा तैयार कर जान दे दी। घटना की जानकारी होने के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। सूचना पर मौदहापारा थाने की पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की है। बताया जाता है कि मंदिर हसौद के ग्राम खुंटेरी में रहने वाली सकीला बानो ▶▶|शेष पेज 18 पर

आफत यात्रियों की नई आफत, छुट्टियां मनाकर लौट रहे, जून में 52 ट्रेनें रद्द

तीन दिन में 28 रद्द, अब 24 ट्रेनों के पहिए भी थमे, सात दिन रीवा-इंदौर जाने सीधी ट्रेन नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- रेलवे लगातार ट्रेनों को रद्द कर यात्रियों की बढ़ा रहा मुश्किलें, छुट्टियों के बाद घर लौटना हुआ कठिन
- 18 एक्सप्रेस और 10 लोकल के बाद शनिवार को 24 एक्सप्रेस ट्रेनें फिर हुईं रद्द

चुनाव खत्म होते ही ट्रेनों के रद्द होने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। तीन दिनों में 28 ट्रेनों के रद्द होने के बाद अब रेलवे ने शनिवार को फिर से 24 ट्रेनों को रद्द कर यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। जून में अभी तक 52 ट्रेन रद्द हो चुकी हैं। गर्मियों की छुट्टी खत्म होने के बाद यात्री अपने शहर की ओर लौटने लगे हैं, लेकिन रेलवे तीसरी रेल लाइन का काम बताकर लगातार ट्रेनों को रद्द कर रहा है। इससे ट्रेन में सफर करना यात्रियों के लिए कठिन हो गया है।

सोमवार को पहले रेलवे ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सिकंदराबाद रेल मंडल के काजीपेट जं-बल्हारशाह सेक्शन के आसिफाबाद रोड-रेचनी रोड रेलवे स्टेशनों के बीच तीसरी रेलवे लाइन कार्य से 18 ट्रेनों को 22 से 6 जून तक रद्द किया था, जिसमें रायपुर से तिरुनेलवेली, एर्णाकुलम, कोचुवेलि, सिकंदराबाद और पटना जाने वाली प्रमुख ट्रेन शामिल थी। इसके बाद 7 से 12 जून 10 लोकल ट्रेनों को रद्द करने बाद शनिवार को बिलासपुर मंडल के अनूपपुर-न्यू कटनी जंक्शन सेक्शन के मुदरिया स्टेशन में तीसरी लाइन कनेक्टिविटी के लिए प्री-एनआई व एनआई का कार्य बताकर 24 ट्रेनें रद्द हो चुकी हैं।

ट्रेनों में भीड़ नहीं हो रही कम

ट्रेनों में भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है और इधर रेलवे एक बार फिर तीसरी रेल लाइन का काम बताकर लगातार ट्रेनों को रद्द कर रहा है। ट्रेनों के रद्द होने के बाद स्टेशन से यात्री ट्रेनों से ज्यादा मालगाड़ियां गुजरने लगी हैं। अब माल ढुलाई के काम में तेजी देखने को मिल रही है, लेकिन रेलवे के इस फैसले ने यात्रियों को मुसीबत में डाल दिया है। रविवार को फिर से बड़ी संख्या में यात्री रिफंड लेने के लिए आरक्षण भवन पहुंचेंगे। यात्रियों में ट्रेन रद्द होने का आक्रोश साफ दिखाई दे रहा था। ट्रेनों के रद्द होने के बाद यात्रियों को यात्रा करने दूसरी ट्रेन नहीं मिल सकेगी। जो ट्रेन उपलब्ध हैं, उनमें भी रेलवे ने सीट फुल होने का हवाला देकर बुकिंग बंद कर दी है।

मध्यप्रदेश जाने वाली प्रमुख ट्रेन भी प्रभावित

भोपाल जाने यात्रियों की भीड़ रहेगी। 22 से 6 जून तक तिरुनेलवेली, एर्णाकुलम, कोचुवेलि, सिकंदराबाद के लिए ट्रेन नहीं मिलेगी। इसके अलावा बिलासपुर से रीवा, जबलपुर, इंदौर, भोपाल समेत शहडोल, चिरमिरी, अनूपपुर 13 से 20 जून तक ट्रेन मिलना मुश्किल है। इन रूट पर जाने के लिए रायपुर से समता और अमरकंटक एक्सप्रेस दो ट्रेन हैं। अब इन ट्रेनों में यात्रियों का दबाव और बढ़ जाएगा।

5 लाख से अधिक दे चुका है रिफंडः सोमवार 18 ट्रेनों के रद्द होने से 48 हजार से अधिक लोगों को दिक्कत हुई है, जिसके बाद रेलवे अभी तक 5 लाख से अधिक रिफंड दे चुका है। इसके अलावा 24 ट्रेनों के रद्द होने से 60 हजार से अधिक यात्रियों को अब दूसरी ट्रेन पकड़नी होगी। ट्रेनों के रद्द होने के बाद अब यात्री दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, पंजाब जाने के लिए बस का टिकट बुक करवाने पहुंचने लगे हैं, ▶▶|शेष पेज 18 पर

यह ट्रेन रहेगी रद्द

1) 13 जून 2024 से 20 जून तक 08269 चिरमिरी-चंदिया रोड पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
2) 13 जून 2024 से 20 जून 08270 चंदिया रोड - चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
3) 12 जून 2024 से 19 जून तक 06617 कटनी-चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
4) 13 जून 2024 से 20 जून तक 06618 चिरमिरी-कटनी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
5) 13, 15, 18 एवं 20 जून तक 05755 चिरमिरी-अनूपपुर पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
6) 13, 15, 18 एवं 20 जून तक 05756 अनूपपुर-चिरमिरी पैसेंजर स्पेशल रद्द रहेगी।
7) 12 जून 2024 से 19 जून तक 18247 बिलासपुर-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
8) 12 जून 2024 से 19 जून तक 18248 रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
9) 13 जून 2024 से 20 जून 18234 बिलासपुर-इंदौर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
10) 12 जून 2024 से 19 जून 2024 तक 18233 इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

▶▶|शेष पेज 18 पर

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाड़ियां

1) 12 जून 2024 से 20 जून 15231 बरौनी – गोंदिया एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया कटनी–जबलपुर–नैनपुर के रास्ते चलेगी।
2) 13 जून 2024 से 21 जून 15232 गोंदिया - बरौनी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग व्हाया नैनपुर – जबलपुर - कटनी के रास्ते चलेगी।

राहत

छग-ओडिशा बस ऑपरेटरों के बीच विवाद सुलझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्य के बस ऑपरेटरों के बीच विवाद अब सुलझ गया है। दोनों राज्य के बस ऑपरेटर यूनियनों के बीच शनिवार को राजधानी रायपुर में बैठक हुई। इस बैठक में छत्तीसगढ़ और ओडिशा राज्य के बस ऑपरेटर यूनियन संघों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान दोनों राज्य के बस यूनियन के बीच समझौता हुआ कि दोनों राज्य अब एक-दूसरे की यात्री बसों को राज्य में प्रवेश करने से लेकर संचालन में किसी प्रकार का रोक-टोक नहीं ▶▶|शेष पेज 18 पर

- दोनों राज्य के बस ऑपरेटर यूनियन पदाधिकारियों की बैठक में समझौता

नए परमिट बसों के संचालन व लोकल सवारी बैठाने के नाम पर उपजा विवाद

छत्तीसगढ़ से ओडिशा सहित दूसरे कई राज्यों में यात्री बसें जाती हैं। दूसरे राज्य में बसों के संचालन के लिए अंतर्राज्यीय परमिट लिया जाता है। राज्य से ओडिशा के लिए वर्तमान में करीब 100 यात्री बसों का संचालन किया जा रहा है। इन बसों के अलावा कुछ नई बसों का भी ओडिशा राज्य में संचालन के लिए अंतर्राज्यीय परमिट लिया गया है। ओड़िशा जाने वाली बसों की संख्या बढ़ने के कारण उस राज्य के बस ऑपरेटर यूनियन संघ इसे लेकर आपत्ति कर रहे हैं। यही नहीं, ओडिशा बस यूनियन ने छत्तीसगढ़ से जाने वाली बसों में ओडिशा राज्य में लोकल सवारी बैठाने पर भी आपत्ति जताई है। ओडिशा यूनियन ने इसे लेकर ही विवाद खड़ा कर छत्तीसगढ़ से जाने वाली बसों को अपने राज्य में 11 जून से प्रवेश पर रोक लगाने पर अड़े हुए थे।

मां देने वाली थी किडनी, तभी जिंदगी बनकर आया नन्हा फरिश्ता, दे गया मासूम को जीवनदान

विकास शर्मा ▶▶| रायपुर

खास खबर

मां अपने बच्चे को किडनी के रूप में नया जीवन देने वाली थी, इसके लिए ऑपरेशन का इंतजार किया जा रहा था। इसी दौरान ब्रेनडेड होकर एक नन्हा फरिश्ता सामने आया और अपनी ही उम्र के मासूम को जीवनदान दे गया। मजदूर परिवार में जन्मा बच्चा पिछले दो साल किडनी की गंभीर बीमारी से पीड़ित था और आठ माह से ठीक होने का इंतजार कर रहा था। बेमेतरा के कुसमी ▶▶|शेष पेज 18 पर

दो साल से गंभीर बीमारी से पीड़ित था बच्चा, आठ माह से कर रहा था इंतजार

11 साल के प्रखर और उसके परिवार ने पेश की मिसाल

ब्रेनडेड के सालाना 500 केस, पर 18 माह में अंगदान के लिए सामने आए सिर्फ आठ

अभी भी जागरूकता की जरूरत

कोरोना के बाद लिवर में इंफेक्शन, हुआ प्रत्यारोपण

बच्चे का लिवर रामकृष्ण केयर हास्पिटल में एक 66 वर्षीय मरीज को लगाया गया। मरीज के परिजनों के मुताबिक वे कोरोना के बाद से लिवर इंफेक्शन के शिकार हुए थे। इस समस्या की वजह से उन्हें आए दिन अस्पताल में आकर भर्ती होना पड़ता था। चिकित्सकों की सलाह पर वे ट्रांसप्लांट का इंतजार कर रहे थे, जो पूरा हो गया। इसी तरह गंभीर बीमारी से पीड़ित एक महिला को किडनी प्रत्यारोपित किया गया।

एम्स में पहला पीडियाट्रिक केडेवर किडनी ट्रांसप्लांट

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में प्रदेश में किसी बच्चे का पहला केडेवर किडनी ट्रांसप्लांट किया गया। ब्रेनडेड रोगी की किडनी प्राप्त करने के लिए जून 2023 में पंजीकृत किया गया। कार्यपालक निदेशक अशोक जिंदल ने मृतक बच्चे के परिजनों द्वारा अंगदान किए जाने के निर्णय की सराहना करते हुए कहा है कि इस दुख की घड़ी में भी उन्होंने अपने बच्चे के अंगदान कर कई रोगियों को जीवन की एक नई किरण प्रदान की है, जिससे समाज को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष ▶▶|शेष पेज 18 पर

घर पर ही पिस्टल बनाकर फेसबुक पर किया था प्रचार

शूटर्स को पिस्टल बेचने वाले मध्यप्रदेश से अरेस्ट, गैंगस्टर ने मलेशिया में बैठकर की डील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर तथा रायगढ़ में कारोबारियों को मारने के लिए आए शूटरों को पिस्टल उपलब्ध कराने वाले बदमाश को पुलिस ने मध्यप्रदेश, बड़वानी से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जिस पिस्टल बेचने वाले को गिरफ्तार किया है, उसने अपने घर पर ही पिस्टल बनाकर फेसबुक में प्रचार किया था, जिस पर मलेशिया में बैठे गैंगस्टर मयंक सिंह की नजर पड़ गई और उसने फेसबुक के माध्यम से वाट्सएप कॉलिंग कर पिस्टल ▶▶|शेष पेज 18 पर

पिस्टल बेचने अजरबैजान पुर्तगाल के नंबर से कांटेक्ट किया

फेक आईडी से फेसबुक संचालित

पुलिस के अनुसार पुलिस ने पिस्टल बेचने के आरोप में जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, उसने अपना फेस बुक आईडी मोंटू सिंह के नाम से बनाया था। राजवीर पिस्टल बनाकर बेचने के लिए फेस बुक में पिस्टल का फोटो डालता था। फेस बुक में उसी फोटो को देखकर मलेशिया में बैठे गैंगस्टर अमन सिंह ने राजवीर से फेस बुक चैटिंग के माध्यम से उसका मोबाइल नंबर हासिल कर पिस्टल खरीदने डील की। डील पक्की होने के बाद मयंक के कहने पर राजवीर से पिस्टल लेने रोहित बाड़वानी पहुंचा।

पुलिस से बचने विदेशी नंबर से वाट्सएप कॉलिंग

पुलिस के अनुसार पिस्टल खरीदी-बिक्री करने राजवीर विदेशी नंबर से संपर्क करता था। इसकी वजह राजवीर द्वारा पुलिस को चकमा देने के साथ बचना है। पुलिस ने राजवीर के कब्जे से अजरबैजान तथा पुर्तगाल के सिम कार्ड जब्त किया है। राजवीर अपने ग्रहकों से संपर्क करने के लिए वाट्सएप कॉलिंग से संपर्क करता था।

हैण्डलूम हैण्डीक्राफ्ट एक्सपो

DISNEY LAND
MELA

रायपुर
में पहली बार
इंटरनेशनल एसी फिश टनल

रावणभाटा मैदान
नये बस स्टैंड के पास, रायपुर

खाना, खरीदी व मनोरंजन एक साथ...

समय: रोज़ाना शाम 4.00 से रात्रि 10.00 बजे तक

sumitadvertisers

खबर संक्षेप

धोबी समाज का महाधिवेशन स्थगित

रायपुर। रायगढ़ में 9 जून को धोबी समाज का महाधिवेशन होना था, परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए सभी अतिथि दिल्ली जा रहे हैं, जिसकी विधिवत सूचना मुख्यमंत्री निवास, वित्त मंत्री कार्यालय से प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर एवं आयोजक जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार सोन को प्राप्त हुई। इस कारण से यह कार्यक्रम स्थगित किया गया है। यह जानकारी रायगढ़ के जिलाध्यक्ष अवधेश कुमार सोन ने देते हुए बताया कि आगामी आयोजन की तिथि शीघ्र ही तय की जाएगी और समाजजनों को जानकारी दी जाएगी।

निधन

माया देवी रावलानी

रायपुर। पीयूष कॉलोनी अमलीडीह निवासी माया देवी रावलानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 8 जून को ते ली बां धा मुक्तिधाम में किया गया। वे विजय, संजय, दिलीप, कैलाश, रावलानी की माता थीं।

शंकरलाल गुप्ता

रायपुर। कंचनगंगा फेस-2 निवासी शंकरलाल गुप्ता का 8 जून को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 9 जून को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से म हा दे व घा ट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे सुशील, सुधीर, सुनीता एवं सुदीप के पिता थे।

हासानंद नेचवानी

रायपुर। चंद्रशेखर नगर, अश्वनी नगर निवासी हासानंद नेचवानी का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 8 जून को मा र वा ड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे विनोद और भारत नेचवानी के पिता थे।

डॉ. सैयद गुलाम रब्बानी

रायपुर। ईएसी कॉलोनी निवासी अंग्रेजी के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. सैय्यद गुलाम रब्बानी का 8 जून को निधन हो गया। उन्हें नमाज-ए-ईशा के बाद मौ द हा पा रा कब्रिस्तान में खाक-ए-सुपुर्द किया गया।

शत्रुघ्न निर्मलकर

रायपुर। बोरियाकला निवासी धोबी समाज मंदिर-हसौद परिक्षेत्र के प्रथम अध्यक्ष शत्रुघ्न निर्मलकर (70) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 10 जून को बो रि या क ला मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे मीना निर्मलकर के पति एवं मनोज, संजय, संगीता निर्मलकर के पिता थे। उनके निधन पर समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर, जिला अध्यक्ष जगमोहन निर्मलकर, रायपुर महानगर अध्यक्ष वरुण निर्मलकर, संरक्षक धरमलाल निर्मलकर, मंदिर हसौद के अध्यक्ष केजूराम रजक ने श्रद्धांजलि अर्पित की है।

सहायक लोको पायलट स्नेह सिंह को मिला प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह का आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत सहायक लोको पायलट स्नेह सिंह बघेल को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने आमंत्रित किया गया है। यह प्रतिष्ठित निमंत्रण वंदे भारत ट्रेन टीम के एक प्रमुख सदस्य के रूप में अनुकरणीय सेवा और समर्पण के लिए है। वंदे भारत ट्रेन 'मेक इन इंडिया' को चिन्हांकित करती है, जो की नवाचार और स्वदेशी विनिर्माण के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जैसे-जैसे राष्ट्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है, मोदी जी के विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए वंदे भारत ट्रेन जैसी पहल कनेक्टिविटी बढ़ाने और भारत की आर्थिक वृद्धि में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे आने वाले वर्षों में यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सहायक लोको पायलट को अनुकरणीय

वंदेभारत एक्सप्रेस शुभारंभ में हुए थे शामिल

सहायक लोको पायलट स्नेह सिंह बघेल को इस प्रतिष्ठित समारोह में भाग लेने का निमंत्रण न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धियों को दर्शाता है, बल्कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के कर्मचारियों के समर्पण को भी दिखाता है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के नागपुर मण्डल के अंतर्गत गोंदिया लॉबी में कार्यरत स्नेह सिंह बघेल मिशन कर्मयोगी के तहत प्रशिक्षण प्राप्त रेलकर्मी हैं। बघेल दिनांक 11 दिसंबर 2022 को बिलासपुर-नागपुर-बिलासपुर वंदेभारत एक्सप्रेस शुभारंभ स्पेशल में भी चालक दल में शामिल हुए थे। महाप्रबंधक सहित दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों ने सहायक लोको पायलट स्नेह सिंह बघेल को आधुनिक ट्रेन यात्रा का प्रतीक बन चुकी वंदे भारत सहित सभी यात्रियों को उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए अथक प्रयास करने की उनकी इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

राजधानी में 5 साल पहले बिजली व्यवस्था की बेहतरी के लिए की गई पहल का ऐसा हाल

ट्रांसफार्मर के पास से कचरे का ढेर हटाने 90 लाख में लगवाई जाली हो गई चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ट्रांसफार्मर के पास लोग कचरे का ढेर न लगाएं। इससे होने वाले नुकसान से लोगों को बचाने लिए 90 लाख में 250 जगह लोहे की जालियां भी लगाई गईं। बिजली सेवा की बेहतरी के लिए 5 साल पहले करवाए गए फेंसिंग वर्क को उपद्रवी चोरी करके ले गए हैं। इससे डिस्ट्रीब्यूशन बाक्स के आसपास कचरा भी फेंका जाने लगा है। बिजली कंपनी ने फेंसिंग इसलिए करवाया था, ताकि डिस्ट्रीब्यूशन बाक्स में होने वाली आगजनी को कम किया जा सके। साथ ही खुले डिस्ट्रीब्यूशन बाक्स से आसपास करंट से भी लोगों को बचाया जा सके।

राजधानी में बिजली सेवा की बेहतरी और लोगों को करंट से बचाने के लिए की गई जुगत अव्यवस्था की भेंट चढ़ रही है। इसकी वजह जांचने पर पता चला कि बिजली कंपनी ने करीब 5 साल पहले स्मार्ट सिटी से मिले 90 लाख रुपए को खर्च किया था। इससे शहर के मुख्य मार्गों और पॉश कालोनियों के आसपास बिजली आपूर्ति के लिए लगाए गए डिस्ट्रीब्यूशन बाक्स से उठने वाली चिंगारी की चपेट में आने से लोगों को बचाने के लिए इंतजाम किया है। इस काम को पहले हैदराबाद की कंपनी को दिया गया, लेकिन काम शुरू करने से पहले ही लोगों की आपत्ति को देखते हुए फेंसिंग का काम कंपनी ने करने से इनकार कर दिया। इसके बाद विभाग ने स्थानिय एजेंसी से रात में ड्यूटी लगाकर काम करवाया, ताकि राहगीरों व आस-पास दुकान लगाने वालों को परेशानी से बचा सके।

मुख्य मार्गों के पास करवाई फेंसिंग

सर्वे के बाद शहर के मुख्य मार्गों और पॉश कालोनियों में सड़क किनारे लगाए गए ट्रांसफार्मर को सुरक्षित करने के लिए 150 पाइंट तय किए गए थे। फंड की उपलब्धता को देखते हुए बिजली कंपनी ने शहरी क्षेत्र में 250 स्थानों पर डिस्ट्रीब्यूशन बाक्स के पास फेंसिंग करवाई। इसे पीला पेंट लगाकर बिजली कर्मियों की जरूरत को देखते हुए गेट और ताला भी लगाया, जो कई जगह टूट-फूट का शिकार है। इस तरह की स्थिति में भी कंपनी इनका मेंटेनेंस भी नहीं करवा रही है।

इन स्थानों की जालियां हो गई चोरी

फेंसिंग की स्थिति जांचने पर कई स्थानों पर सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की जालियां गायब मिलीं। इस तरह कि स्थिति मौदहारापा से गुरुनानक चौक जाने वाले टर्निंग, मौदहापारा मस्जिद के पास फेंसिंग में टूट-फूट होने से लोग कचरा फेंकने लगे हैं। इसे हटाने के प्रयास में निगम की गाड़ी से जालियां कई बार टूट चुकी हैं। वहीं पुलिस लाइन के पास फेंसिंग करके लगाया गया गेट चोरी हो गया है। कालीबाड़ी-सिद्धार्थ चौक के बीच फेंसिंग में उपयोग की गई जालियां चोरी हो गईं।

मामले में निगम से बात की जाएगी

ट्रांसफार्मर को सुरक्षित रखने के लिए लगवाई गई जालियों की शिकायत मेंटेनेंस कर्मियों से मिलती है। जिन स्थानों की बात कर रहे हैं, उनमें से कई जगह निगम की वजह से टूट-फूट के बाद जालियां चोरी हुई हैं। मामले को लेकर निगम से बात की जाएगी।

- **जेएस नेताम,** कार्यपालक निदेशक, बिजली विभाग, रायपुर

कस्टम मिलिंग घोटाला को लेकर राइस मिलर मनोज अग्रवाल के छह ठिकानों पर ईडी की दबिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कस्टम मिलिंग घोटाले को लेकर ईडी की टीम ने राइस मिल एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष तथा राइस मिलर मनोज अग्रवाल के रायपुर, ख रो रा, डोंगरगढ़ के आधा दर्जन ठिकानों पर छापे की कार्रवाई की है। छापे की कार्रवाई में अफसरों ने दस्तावेजों की पड़ताल करने के साथ ही राइस मिलर द्वारा पिछले चार वर्षों में कितने का कस्टम मिलिंग किया गया, इस बात की जानकारी हासिल की है।

- मार्कफेड के पूर्व एमडी मनोज सोनी, रोशन चंद्राकर से पूछताछ के आधार पर कार्रवाई

सूत्रों के मुताबिक ईडी की टीम मनोज अग्रवाल के खरोरा स्थिति राइस मिल, रायपुर खमारडीह स्थित निवास तथा डोंगरगढ़ में शनिवार तड़के पांच बजे छापे की कार्रवाई करने पहुंची। कारोबारी के यहां छापे की कार्रवाई कस्टम मिलिंग घोटाले के आरोप में पूर्व में गिरफ्तार मार्कफेड के एमडी मनोज सोनी तथा राइस मिल एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष रोशन चंद्राकर से पूछताछ के आधार पर मिली जानकारी के आधार पर की है। सूत्रों के मुताबिक मनोज अग्रवाल को ईडी ने पूछताछ के लिए ईडी कार्यालय तलब किया है। राइस मिलर के अलग-अलग ठिकानों पर छापे की कार्रवाई में क्या मिला, इस बात की अब तक अधिकृत पुष्टि नहीं हुई है।

कई पूर्व पदाधिकारी के साथ कारोबारी निशाने पर

कस्टम मिलिंग घोटाला मामले में गिरफ्तार मार्कफेड के पूर्व एमडी तथा राइस मिलर रोशन चंद्राकर से पूछताछ में ईडी को कई महत्वपूर्ण जानकारी हाथ लगी है। साथ ही उन लोगों के ठिकानों से जब्त दस्तावेज में कस्टम मिलिंग घोटाला में किनकी क्या भूमिका रही है, इस बात की जानकारी ईडी के हाथ लगी है। उसी जानकारी के आधार पर ईडी की टीम पड़ताल करने के बाद राइस मिलर तथा पूर्व पदाधिकारियों के यहां जांच के साथ छापे की कार्रवाई कर रही है।

पर्यावरण पर ओपन माइक स्पर्धा आज

रायपुर। सामाजिक व साहित्यिक संस्था वक्ता मंच द्वारा 9 जून को शाम 6 बजे रायपुर के मैग्नेटो मॉल के संतोष हाल में पर्यावरण विषय पर ओपन माइक स्पर्धा रखी गई है। स्वच्छ हवा नीला आकाश, पर्यावरण का मत करो विनाश, इस थीम पर आयोजित स्पर्धा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए आयुसीमा का कोई बंधन नहीं रहेगा। वक्ता मंच के अध्यक्ष राजेश पराते ने बताया कि इस विषय पर 3 मिनट की अवधि में गीत, संगीत, नृत्य, कविता, भाषण, एकल अभिनय, पेंटिंग, लघु कथा जैसी प्रस्तुतियां दी जा सकती हैं। स्पर्धा में प्रवेश पूर्णतः निशुल्क है। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार एवं समस्त प्रतिभागियों को सम्मानपत्र प्रदान किए जाएंगे।

कार्डियोलॉजी प्रमुख डॉ. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में हुआ इलाज

नस में अल्कोहल इंजेक्ट कर नियंत्रित हार्ट अटैक देकर मरीजों को दिया नया जीवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हाईपर ट्रॉफिक कार्डियोमायोथैपी नामक बीमारी से ग्रसित युवक की जान बचाने के लिए नसों में अ ल्को ह ल इंजेक्ट कर नियंत्रित हार्ट अटैक दिया गया। राज्य में अ ल्को ह ल सेप्टल एब्लेशन का अनोखा केस एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. स्मित श्रीवास्तव के नेतृत्व में पूरा किया गया।

- अल्कोहल सेप्टल एब्लेशन का राज्य का अनोखा केस

डॉ. स्मित श्रीवास्तव ने बताया कि हाईपर ट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी एक वंशानुगत स्थिति है, जिसमें दिल की मांसपेशी असामान्य रूप से मोटी हो जाती है। इसकी वजह से दिल के लिए खून पंप करना कठिन हो जाता है। आमतौर पर इस रोग का पता चल नहीं पाता। ऐसी स्थिति वाले ज्यादातर लोगों में कोई लक्षण नहीं होते। कुछ लोगों को सांस फूलना, सीने में दर्द या दिल की असामान्य धड़कन जैसी समस्याएं हो सकती है। इस बीमारी से ग्रसित 32 साल का युवक इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल के एसीआई में आया था। विभिन्न तरह की जांच के बाद कार्डियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष डा. श्रीवास्तव के नेतृत्व में इस इंटरवेंशनल उपचार प्रक्रिया को पूरा किया गया। मरीज की हृदय की नसों में शुद्ध अल्कोहल की कुछ मात्रा को इंजेक्ट कर दिल में कृत्रिम, लेकिन नियंत्रित हार्ट अटैक कर उसकी समस्या का समाधान किया गया। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि अल्कोहल सेप्टल एब्लेशन हाईपर ट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी के इलाज के लिए एक नॉन-सर्जिकल प्रक्रिया है। तकनीक कोरोनरी एंजियोप्लास्टी के समान है, जिसमें एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शन के तहत धमनी में शुद्ध अल्कोहल की एक छोटी मात्रा को डाला जाता है। अल्कोहल दिल की कुछ मांसपेशियों की कोशिकाओं को सिकोड़ देता है, जिससे दिल से होकर शरीर में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है।

कृष्णा किड्स एकेडमी में मचाया हंगामा एनएसयूआई नेताओं पर अपराध दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजेंद्र नगर थाना में एक स्कूल प्रबंधन ने एनएसयूआई नेताओं के खिलाफ स्कूल में बलात प्रवेश कर हंगामा करने तथा स्कूल स्टाफ के साथ बदसलूकी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एनएसयूईआई नेताओं ने स्कूल प्रबंधन पर बगैर मान्यता के छात्रों को सीबीएसई कोर्स अध्ययन कराने के नाम पर पालकों के साथ ठगी करने का आरोप लगाया है।

पुलिस के मुताबिक कृष्णा किड्स एकेडमी के प्रशासक संजय त्रिपाटी की शिकायत पर कांग्रेस प्रवक्ता विकास तिवारी, कुणाल दुबे, हेमंत पाल तथा अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 452, 294 तथा 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया है। स्कूल संचालक ने एनएसयूआई नेताओं पर आरोप लगाया है कि गुरुवार को दोपहर एनएसयूआई के नेताओं ने स्कूल में बलात प्रवेश कर स्कूल तथा शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर हंगामा किया। कांग्रेस नेता विकास तिवारी ने थाना में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया है कि स्कूल प्रबंधन बगैर मान्यता के सीबीएसई कोर्स पढ़ाने का झांसा देकर पालकों के साथ ठगी कर रहा है। इसके अलावा छात्रों को स्कूल से जबरन किताब खरीदने दबाव बनाने का आरोप लगाया है। साथ ही कांग्रेस नेता ने स्कूल प्रबंधन पर और कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

स्कूल प्रबंधन पर बगैर सीबीएसई मान्यता के पाठ्यक्रम का झांसा देकर पालकों से ठगी का एनएसयूआई नेताओं ने आरोप लगाया

हरिभूमि
रायपुर, रविवार 9 जून 2024
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

लाइव इवेंट

साड़ी वॉकेथान में तीजन बाई के वेश में पहुंचीं महिलाएं, श्रृंगार ने खींचा ध्यान

रायपुर। अखिल भारतीय माहेश्वरी महिला संगठन की अष्टसिद्धा व एवं संस्कृति सिद्धा समिति द्वारा शनिवार को महेश नवमी पर्व पर साड़ी वॉकेथान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश मीडिया प्रभारी कविता राठी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष मंजू बांगड़ एवं राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम में प्रतिभागी महिलाओं द्वारा संकल्प लिया गया कि अगली पीढ़ी तक साड़ी पहनने की कला को पहुचाएंगे एवं इस प्रथा को गर्व और सम्मान के साथ जीवित रखेंगे। प्रदेश अध्यक्ष शशि गट्टानी एवं प्रदेश सचिव रूपा मुंदड़ा ने बताया कि संस्कृति का सम्मान, साड़ी में वॉकेथान का अभियान नारे के तहत इस कार्यक्रम को सभी स्थानीय संगठन में आयोजित किया गया। इस आयोजन के पश्चात माहेश्वरी समाज की 35 प्रोफेशनल महिलाओं एवं युवतियों का दुपट्टा–श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। वहीं आयोजन को यादगार बनाने के लिए नीना राठी द्वारा विशेष कैरेक्टर तीजन बाई के गेटअप में पहुंचीं, जहां इस महान हस्ती की सुंदरता का बेहतर रूप से प्रदर्शन किया गया।

साड़ी भारतीय संस्कृति का प्रतीक

सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अपर कलेक्टर सचिन भूतड़ा, प्रदेश सभा अध्यक्ष सुरेश मुंदड़ा, सचिव कमल किशोर राठी, रायपुर गोपाल मंदिर के ट्रस्टी ओमप्रकाश नागोड़ी, युवा मंडल अध्यक्ष निलेश मुंदड़ा उपस्थित रहे। मंच संचालन प्रतिभा नत्थानी एवं मधु राठी ने किया। राष्ट्रीय महामंत्री ज्योति राठी ने मंच से संबोधित करते हुए कहा कि यह एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक संदेश है कि भारत की महिलाओं की सदियों से चली आ रही साड़ी की परंपरा को कायम रख भारतीय संस्कृति का भविष्य में भी सुंदर इतिहास बनाए रखें।

महेश नवमी पर साड़ी वॉकेथान का आयोजन

विश्व रक्तदान दिवस से पहले शहर के स्वैच्छिक रक्तदाता से चर्चा

20 साल में 100 से अधिक रक्तदान कर छत्तीसगढ़ में बनाया रिकार्ड, अब 14 से शुरू होगी लोगों को जोड़ने की मुहिम

> विश्व रक्तदान दिवस मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य रक्तदान के प्रति लोगों को जागरूक करना है। इस अवसर पर शुक्रवार 14 जून को शहर के विभिन्न स्थानों पर रक्तदान दिवस पर कार्यक्रम किया जाना है। प्रत्येक वर्ष देश सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर ब्लड बैंक की स्थापना की जा रही, जिससे जरूरतमंद लोगों को काफी सहायता मिल रही है।

रायपुर। इस अवसर पर राजधानी में मौजूद विभिन्न व्यक्ति विशेष से चर्चा की गई, जिन्होंने अब-तक सौ से अधिक लोगों को रक्तदान किया है। रक्तदाताओं के अनुसार रक्तदान करने से आनंद की अनुभूति होती है। रक्तदान से किसी जरूरतमंद की मदद और उनके चेहरों पर मुस्कान देखी जा सकती है। जब आपके सहयोग से किसी को नया जीवन मिलता हो तो वह मन को संतुष्ट करता है।

बच्चों और युवाओं को समूह में जोड़ेंगे

सवाल- अब तक कितनी बार रक्तदान कर चुके हैं?

जवाब- वर्तमान समय में मेरी उम्र 45 वर्ष है। अब तक 130 बार रक्तदान कर चुका हूं। 20 साल की उम्र से प्रत्येक 3 से 4 माह के अंतराल में रक्तदान करता आ रहा हूं।

सवाल- बीते 25 सालों में कैसा अनुभव रहा?

जवाब- जब किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करते हैं तो मन को संतुष्टि मिलती हैं। कुछ साल पहले एक 3 साल की बच्ची के लिए रक्तदान किया। इस दौरान मैं शहर से बाहर था, लेकिन रक्तदान के बाद बच्ची के परिजनों में मुस्कान देख अच्छा लगा।

सवाल- रक्तदान करने के दौरान कभी डर लगा?

जवाब- शुरुआती दिनों में सुई से डर लगता था, लेकिन समय के साथ-साथ डर भी दूर होने लगा।

शहर से लेकर गांव तक चलाएंगे अभियान

सवाल- कितने साल से रक्तदान करते आ रहे?

जवाब- कॉलेज के बाद लगभग 18 साल की उम्र से रक्तदान कर रहा हूं। इसमें रायपुर, राजनांदगांव सहित विभिन्न शहरों में जरूरतमंदों के लिए रक्त दिया है। अब तक 112 बार रक्तदान करने का मौका मिला, वर्तमान समय में मेरी उम्र 53 वर्ष है।

सवाल- रक्तदान का विचार कहां से आया?

जवाब- परिवार में मेरे पिता आदर्श स्वरूप है, जिन्होंने बचपन से रक्तदान का महत्व बताया। वर्तमान समय में मेरे परिवार में मेरा भाई और मेरी पत्नी भी अपनी स्वेच्छा से रक्तदान करते हैं। यदि रात के 12 बजे भी रक्त की आवश्यकता होती है तो हम वहां मौजूद रहते हैं।

सवाल - ब्लड डोनेशन में किस प्रकार की सावधानी रखनी चाहिए?

जवाब - ब्लड डोनेट करने से शरीर को फायदा होता है। इसमें 15 से 20 दिनों में शरीर का चेकअप होता है, जिससे शरीर में होने वाली विभिन्न बीमारियों का पता लगाया जा सकता है। हमें बाहर का पानी पीने से बचना चाहिए, यदि बर्तन में साफ-सफाई न हो तो पीलिया और जॉन्डिस होने की समस्या निर्मित हो सकती है। रक्तदान के बाद चिकित्सकों की सलाह पर डाइट मेंटेन जरूर करें।

रक्तदान ने हर बार किया भावुक

सवाल- जीवन का सबसे भावुक पल क्या रहा?

जवाब- माना बस्ती में एक परिवार के दो बच्चों को थैलेसीमिया की समस्या थी, जिसमें से एक बच्चे का ब्लड ग्रुप मेरे ब्लड ग्रुप से मैच करता था। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के बाद भी वह बच्चे के लिए रेयर ब्लड ग्रुप की तलाश करते थे। परिवार के लिए कई बार रक्तदान किया, यह पल काफी भावुक कर देने वाला था।

सवाल- शुरुआती वक्त से अब तक का अनुभव?

जवाब- वर्तमान समय में मेरी उम्र 50 वर्ष है, लगभग 20 साल की उम्र से रक्तदान करता आ रहा हूं। अब तक 100 बार रक्तदान कर चुका हूं और आगे भी लोगों की मदद के लिए रक्तदान करूंगा। ब्लड डोनेट करने की प्रेरणा पिता को देखकर मिली, जिनके मार्गदर्शन में ब्लड डोनेट किया।

रिटायर्ड होने के बाद रक्तदान को बनाया लक्ष्य

सवाल- किस उम्र से रक्तदान करते आ रहे?

जवाब- कॉलेज के दौरान पहली बार 19 साल की उम्र में मेडिकल कॉलेज में रक्तदान किया था, जिसके बाद लगातार करता आ रहा, पेशे से मैं एक चिकित्सक हूं और रक्तदान करना मेरे जीवन का हिस्सा बन चुका है।

सवाल- अब तक का अनुभव कैसा रहा?

जवाब- वर्तमान समय में मेरी उम्र 64 साल से अधिक है। सेना से रिटायर्ड होने के बाद लोगों की सेवा कर रहा हूं। रक्तादान के साथ रिटायर्ड आर्मी ऑफिसर्स की सेवा करता हूं, जिससे मुझे काफी खुशी मिलती है। अब तक 110 बार रक्तदान करने का अवसर मिला, वहीं लगभग 3 से 4 महीने के अंतराल में रक्तदान करता हूं।

सिटी इवेंट

संस्कार भारती व लोकरंजनी करेंगे 21 कवियों-साहित्यकारों का सम्मान

रायपुर। अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती एवं लोकरंजनी लोक कलामंच रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में कवि सम्मान समारोह के अंतर्गत छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान-2024 का आयोजन रविवार संध्या 5.30 बजे से कला एवं साहित्य के लिए समर्पित कवि व साहित्यकारों का सम्मान कार्यक्रम रायपुर के वृंदावन हॉल सिविल लाइंस में आयोजित किया गया है। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सच्चिदानंद शुक्ला एवं अध्यक्षता सुश्री ललिता मेहर डीएसपी रायपुर होंगे, जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कवि पद्मश्री डॉ. सुरेंद्र दुबे, मीर अली मीर, रामेश्वर वैष्णव, रामेश्वर शर्मा, सुशील भोले, डॉ. चितरंजन कर, शकुंतला तरार, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, उर्मिला देवी उर्मी, राजेश जैन राही, डॉ. देवधर महंत, डॉ. अनिल कुमार भतपहरी, गोविंद धनगर, राजेश चौहान, सुखनवर हुसैन, लोकनाथ साहू ललकार, शशि भूषण सनेही, मिनेश कुमार साहू, डॉ. इंद्रदेव यादु ,विजय मिश्रा 'अमित', आरंग से महेंद्र कुमार पटेल सम्मानित होंगे।

छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न से भी करेंगे सम्मानित

डॉ. पुरुषोत्तम चंद्राकर संस्कार भारती रायपुर के अध्यक्ष व लोकरंजनी लोककला सांस्कृतिक मंच के संचालक ने कहा कि कला एवं साहित्य में साधनारत साधकों का सम्मान मां भारती का सम्मान है। डॉ. द्वाकर ने बताया कि गीत, कविता, लेख, शोध सहित कला जगत व छत्तीसगढ़ के समृद्ध साहित्य में लंबे अरसे से साधनारत व उल्लेखनीय कार्य कर रहे प्रदेश के मूर्धन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कवियों व साहित्यकारों को छत्तीसगढ़ साहित्य रत्न सम्मान 2024 से विभूषित किया जाएगा।

जल और पेड़ पर्यावरण की आत्मा, इसे बचाने हर व्यक्ति को करनी होगी पहल

रायपुर। आंजनेय विश्वविद्यालय में आईएमएस चैप्टर द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमें पेंटिंग और रंगोली प्रतियोगिता के जरिए पर्यावरण का महत्व को समझाया गया। इसके अलावा बचाव के लिए भी आवश्यक सुझाव बताया गया। इस दौरान आंजनेय विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टी. रामाराव व प्रादेशिक मौसम केंद्र नागपुर के पूर्व उप महानिदेशक एमएल साहू उपस्थित रहे।प्रतियोगिता के जरिए भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में कृषि विवि के प्राध्यापक जेएल चौधरी ने आईएमएस चैप्टर के कार्यविधि को विस्तार से बताया। सयुक्त सचिव इं. यू के सूरज ने पानी के महत्व को समझाया। कुलपति डॉ. टी. रामाराव द्वारा इससे निपटने के विषय में अपने विचार व्यक्त किए गए। इस कार्यक्रम के आईएमएस रायपुर चैप्टर के सभी पदाधिकारी, आंजनेय विश्वविद्यालय रायपुर के विज्ञान विभाग के प्राध्यापक, विद्यार्थी उपस्थित थे।

रोमांचक मुकाबले में बस्तर बाइसंस ने 22 रनों से जीता मैच, संगीत ने खेली तूफानी पारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमीयर लीग के दूसरे दिन शनिवार को शहीद वीरनारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में सरगुजा टायगर्स और बस्तर बाइसंस के बीच खेला गया। सरगुजा टायगर्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। बस्तर बाइसंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 204 रन बनाए। बस्तर बाइसंस की ओर से संगीत सोनी ने 43 गेंदों पर शानदार 84 रन तथा विशाल कुशवाहा ने 8 गेंदों पर तेजी से 24 रन बनाए। वहीं सरगुजा टायगर्स की ओर से स्नेहिल चढ्ढा ने 3 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट प्राप्त किए।

आशुतोष की अर्धशतकीय पारी रही फीकी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरगुजा टायगर्स टीम 20 ओवरों में 9 विकेट के नुकसान पर 182 रन ही बना सकी। सरगुजा टायगर्स की ओर से कप्तान **आशुतोष** सिंह ने सर्वाधिक 40 गेंदों में 82 रनों का योगदान दिया। वहीं बस्तर बाइसंस की ओर से विजय यादव ने 4 ओवरों में 24 रन देकर 4 विकेट प्राप्त किए व सौरभ मुजूमदार ने विकेट लिए। प्लेयर ऑफ द मैच विजय यादव को मिला। इसके अलावा मोस्ट सिक्सेस का टाइटल आशुतोष सिंह और सुपर स्ट्रायकर संगीत सोनी व परफेक्ट कैच बिन्नी सैम्यु को मिला।

संसार में परमात्मा ही सुख शांति और आनंद के हैं भंडार

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आओ खेलें खुशियों के द्वार- राजयोग अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया। इसके दूसरे दिन ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी ने परमात्मानुभूति विषय पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा, परमात्मा का यथार्थ परिचय न होने के कारण संसार में सबसे अधिक विवाद भगवान के परिचय को लेकर है। जब हम कहते हैं कि परमात्मा एक है तो उनका परिचय भी एक ही होना चाहिए। राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी राधिका दीदी ने बताया, परमात्मा सुख, शांति, आनंद और प्रेम के भण्डार हैं।

दो सो से अधिक हुए शामिल

वक्ता राधिका दीदी ने कहा, पांच बातों के आधार पर भगवान की पहचान होती हैं। पहला वे सर्वोच्च हैं, दूसरा, जन्म-मरण से परे हैं, तीसरा, सर्वज्ञ हैं, चौथा, ज्ञान, गुण और शक्तियों के सागर हैं, पांचवा, वे सर्व धर्म मान्य हैं। उन्होंने बताया कि सभी धर्मों के अनुसार परमात्मा निराकार और ज्योतिर्बिंदु स्वरूप हैं। शिविर के दौरान 200 से अधिक संख्या में लोग मौजूद रहे, जिन्होंने व्याख्यान में शामिल होकर विभिन्न विषय की जानकारी ली। तीन दिवसीय शिविर के समापन के पश्चात 10 जून से 7 दिवसीय शिविर का शुभारंभ किया जाएगा, 'एडवांस राजयोग अनुभूति शिविर' में ध्यान एवं मोटिवेशनल व्याख्यान किया जाना है।

58वें उर्स पाक पर कव्वाली पेश कर देर रात तक बांधा समां

उर्स पाक पर सजी परंपरागत कव्वाली की महफिल

कार्नर न्यूज

रायपुर। बिहार के जाने-माने कव्वाल बाबू गुलाम साबरी एंड पार्टी ने हजरत सैय्यद बाबा खाकी शाह वली रह. अलैह के 58वें उर्स पाक के मौके पर अमीनपारा में शेरो-शायरी व कव्वाली की ऐसी महफिल सजाई कि इसमें रसिक श्रोता झूम उठे। रात 11 बजे के बाद साबरी एंड पार्टी ने पहली कव्वाली के रूप में या खुदा अंधेरों में रोशनी अता कर दे, विलाल की जैसी जिंदगी अता कर दें, पेश करते हुए मंच से लोगों को कौमी एकता का संदेश दिया। इस दौरान कोरस की जिम्मेदारी निभाते हुए मोहम्मद गुड्डू एवं साथियों ने भी गुलाम साबरी का भरपूर साथ दिया। इसके बाद दुनिया झुकी है सैय्यदे अबरार के आगे, कोई नबी नहीं मेरे सरकार के आगे पेश करते हुए क्व्वाली प्रेमियों से वाहवाही भी लूटी।

कार्यकर्ताओं ने संभाली कमान

आयोजन कमेटी में हर जाति, धर्म के लोग शामिल होने से उर्स पाक आपसी भाई-चारे का प्रतीक इस बार भी रहा। कमेटी के अध्यक्ष मो. फारूक मेमन, सरपरस्त लक्ष्मीनारायण लाहोटी, मखमूर इकबाल खान ने कव्वाली के दौरान हर वर्ग के श्रोताओं को बेहतर बैठक व्यवस्था देने की जिम्मेदारी निभाई। इनके द्वारा महिलाओं और पुरुषों की सुविधा के लिए कई कार्यकर्ताओं को तैनात किया था। महफिल में किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति न बनने पाए, इसे ध्यान में रखते हुए महामाया मंदिर जाने वाले मार्ग पर महिलाओं व मंच के सामने पुरुषों की बैठक व्यवस्था की गई। लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए, प्रोग्राम के दौरान इसका भी ध्यान रखा गया था।

वो अपने दर पे बुला बुलाकर..

शीतला मंदिर के पास सजाए गए मंच पर हारमोनियम पर मो. कलीम, बैंजो पर मो. सिकंदर, ढोलक पर मो. अरमान, तबले पर मो. शमीम, ऑक्टोपैड पर उगलियां फिरोते हुए कव्वाली के दौरान संगीत पक्ष को मजबूती दी। वहीं कव्वाल ने वो अपने दर पे बुला बुला कर, सभी की बिगड़ी बना रहे हैं। तखवतों के धनी हैं, अली का सदका लुटा रहे हैं, पेश करते हुए देर-रात तक कव्वाली में शामिल श्रोताओं को खुशनुमा माहौल दिया। इसमें कोरस पर संगत करने वालों ने भी कोई कसर नहीं छोड़ी। कव्वाली की यह महफिल तीन साल बाद सजने से लोगों का उत्साह भी देखने लायक था। आसपास रहने वाले ही नहीं, बल्कि शहर के अलग-अलग क्षेत्र से भी श्रोता सुनने के लिए पहुंचे।

बिहार के कव्वाल ने पेश किया कौमी एकता का संदेश

सिटी स्पोर्ट्स

प्रदेश स्तरीय रात्रिक्रालीन कायस्थ प्रीमियर क्रिकेट लीग सीजन-7 का आयोजन आज से

रायपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा और छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज के तत्वावधान में कायस्थ समाज के युवाओं के लिए रात्रिक्रालीन कायस्थ प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश स्तरीय इस प्रतियोगिता में रायपुर के अलावा दुर्ग, भिलाई,

रा ज नां द गां व , बिलासपुर, बेमेतरा, महासमुंद और डोंगरगढ़ की टीम सम्मिलित होंगी। इस प्रतियोगिता के आयोजक अखिल भारतीय कायस्थ महासभा छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज हैं। यह स्पर्धा नेताजी सुभाष स्टेडियम में 09 जून से 16 जून तक रात्रिक्रालीन समय में खेली जाएगी। प्रतिदिन मैच शाम 6 बजे से प्रारंभ होंगे। इस स्पर्धा का उद्घाटन समारोह रविवार 9 जून को शाम 6 बजे किया जाएगा। उद्घाटन समारोह विशेष रूप से संजय श्रीवास्तव भाजपा प्रदेश महामंत्री, रज्जन श्रीवास्तव संरक्षक छत्तीसगढ़ कायस्थ समाज एवं प्रमोद खरे प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उपस्थित रहेंगे। समिति के द्वारा इस साल महिलाओं का टूर्नामेंट का आयोजन स्वर्गीय आशा श्रीवास्तव की स्मृति में किया जा रहा है जिसमें चार टीमों के बीच एक एक मैच खेला जाएगा तथा दोनों विजेता टीमों के बीच में फाइनल मैच खेला जाएगा। सभी महिला खिलाड़ियों को स्वर्गीय श्रीमती आशा श्रीवास्तव की स्मृति में ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा समाज के बच्चों जिनकी उम्र 7 वर्ष से 16 वर्ष के बीच है, के लिए भी जूनियर कायस्थ प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का आयोजन स्वर्गीय सुदीप खरे स्मृति में किया जा रहा है। ताकि समाज के बच्चों को भी समाज के कार्यक्रमों में सम्मिलित एवं भागीदारी करने का अवसर मिले। बच्चों की भी चार टीमें बनाई गई हैं जिनके बीच एक एक मैच खेला जाएगा तथा दोनों टीमों के विजेताओं के बीच फाइनल मैच होगा। सभी मैच खेलने वाले बच्चों को स्वर्गीय सुदीप खरे की स्मृति में ट्रॉफी प्रदान की जाएगी। आयोजन समिति के राहुल श्रीवास्तव प्रदेश अध्यक्ष अखिल भारतीय कायस्थ महासभा युवा प्रकोष्ठ एवं अन्य सदस्यों ने समाज के सभी वरिष्ठ जनों महिलाओं एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस प्रतियोगिता को सफल बनाने का अनुरोध किया है। आयोजन समिति में प्रमुख रूप से रज्जन श्रीवास्तव, प्रमोद खरे, मनीष श्रीवास्तव कांकेर, प्रदीप वर्मा, मनीष श्रीवास्तव बिलासपुर, पी के वर्मा, दिवाकर सिन्हा, डॉ मनीष श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव, अभिषेक सक्सेना, अमित वर्मा, विश्वासु श्रीवास्तव, वैदूर्य निगम, शुभम्, रौनक़, महिला विंग से उषा रंजन श्रीवास्तव, अमृता श्रीवास्तव, मंगला श्रीवास्तव, छाया खरे, अनुषा श्रीवास्तव, सारिका वर्मा, कनकलता श्रीवास्तव और नेहा श्रीवास्तव इत्यादि शामिल है।

राज्य स्तरीय शह और मात के खेल में जुटे 20 जिले से 150 प्रतिभागी

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के मार्गदर्शन व ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के निर्देशन में जिला शतरंज संघ द्वारा पिथौरा में आयोजित 4 दिवसीय स्पर्धा का उदघाटन अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनूप अग्रवाल ने शतरंज की बिसात पर प्यादे की चाल चलकर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता व कलार समाज महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रमिला सिन्हा ने की। विशिष्ट अतिथि जिला क्रीड़ा अधिकारी मनोज धृतलहरे, राज्य शतरंज संघ के पदाधिकारी विकास शर्मा, सुबोध सिंह, ईश्वर राजपूत, पिथौरा ब्लॉक के मंडलेश्वर पुनीत सिन्हा, राज्य सचिव हेमन्त खुटे,अंतरराष्ट्रीय निर्णायक अनीस अंसारी व जिला संघ के अध्यक्ष डॉ डीएन साहू मंचासीन थे। सर्वप्रथम टूर्नामेंट डायरेक्टर हेमन्त खुटे ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्ष 2022 से 2024 के भीतर 3 साल के अंतराल में यह तीसरी फीडे रेटिंग स्पर्धा है तथा जिला शतरंज संघ के बैनर तले यह सोलहवां राज्य चयन स्पर्धा है। आगामी दिनों में हमारा प्रयास नेशनल रेटिंग टूर्नामेंट कराने का रहेगा ताकि जिला व प्रदेश के खिलाड़ियों को रेटिंग के लिए कही बाहर जाना न पड़े। मुख्य अतिथि अनूप अग्रवाल ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज एक बौद्धिक खेल है। इसे हर उम्र के लोगो को खेलना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमिला सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि पिथौरा सरीखे छोटी सी जगह में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त स्पर्धा के आयोजन से अंचल का मान बढ़ा है। जिला शतरंज संघ को इस पहल के लिए बधाई दी है। इस राज्य चयन स्पर्धा में 91 हजार रुपए की कुल राशि खिलाड़ियों को ईनाम स्वरूप दिए जायेंगे। महिला–पुरुष दोनों वर्गों से टॉप 4–4 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन संतोष गुप्ता ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ डी एन साहू ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय श्रीवास्तव, लोकनाथ पटेल, बबलू श्रीवास्तव ,राम उजाला का महती योगदान है। स्पर्धा में समूचे छत्तीसगढ़ के 20 जिलों से 150 चयनित खिलाड़ियों ने हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह 10 जून को रखा गया है।

ट्रेडिशनल से लेकर वेस्टर्न ड्रेसेस पर भी स्टाइल कीजिए स्कार्फ

महिलाओं की फैशन और स्टाइल के लिए कई तरह की ड्रेसेस और इसके साथ पेअर-अप करने वाले कई डिफरेंट आइटम मार्केट में मिलते हैं। इन्हीं में से एक हिस्सा है- स्कार्फ कैरी करना। आजकल, स्कार्फ का काफी ज्यादा ट्रेंड चल रहा है, जिसे आप सिर्फ कुर्तियों के साथ ही नहीं बल्कि वेस्टर्न कपड़ों के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं। दरअसल, आजकल स्कार्फ की कई वैरायटी और प्रिंट आ गए हैं, जिससे आप किसी भी ड्रेस को अट्रैक्टिव और यूनिक बना सकती हैं। तो चलिए आज हम आपकी इसके चुनाव में मदद करते हैं। इस आर्टिकल की मदद से आपको बताएंगे कि किस टाइप के कपड़ों के साथ कैसे आप स्कार्फ वियर कर सकती हैं।

टाइगर प्रिंट वाली स्कार्फ : आज के समय में एनिमल प्रिंट काफी ट्रेंड में है। ऐसे में टाइगर की प्रिंट वाली स्कार्फ आपके वेस्टर्न लुक में भी यूनीकनेस ला देगी। अगर आप लाइट कलर या ब्लैक कलर की वन पीस पहन रही हैं तो उसपर ये स्कार्फ काफी सुंदर और अट्रैक्टिव लग सकता है। इस तरह के डिजाइन वाले स्कार्फ आपको ऑनलाइन या ऑफलाइन किसी भी माध्यम से मिल जाएगा। बात इसके दाम की करें तो यह 300 के अंदर आपको मिल सकता है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत बिगाड़ रही है हमारी सेहत

आइसक्रीम, चिप्स और बर्गर के ज्यादा सेवन से स्ट्रोक का खतरा, सोचने-समझने की क्षमता में भी आ रही गिरावट

फ्राइज, चिप्स, बर्गर, कैंडी, सॉफ्ट ड्रिंक और आइसक्रीम जैसे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स यानी बेहद ज्यादा प्रोसेस किए जाने वाले खाद्य पदार्थ लोगों को शारीरिक और दिमागी तौर पर बीमार बना रहे हैं। एक अध्ययन में खुलासा हुआ है कि ऐसे खाद्य पदार्थों के ज्यादा सेवन से सोचने-समझने, पढ़ने, सीखने और याद रखने की क्षमता में गिरावट के साथ स्ट्रोक के खतरे बढ़ रहे हैं।

मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के शोधकर्ताओं के अध्ययन के नतीजे जर्नल न्यूरोलॉजी में प्रकाशित हुए हैं। यह अध्ययन अमेरिका में 45 वर्ष या उससे अधिक आयु के 30,239 लोगों पर किया गया है। इन पर करीब ग्यारह वर्षों तक नजर रखी गई। शोधकर्ताओं ने इस बात की जांच की है कि उनका कितना भोजन बेहद ज्यादा प्रोसेस किया हुआ था। अध्ययन की शुरुआत में इन सभी लोगों में स्ट्रोक या सोचने-समझने तथा सीखने की क्षमता में गिरावट का कोई इतिहास नहीं था। अध्ययन के अंत तक 768 लोगों में संज्ञानात्मक हानि यानी सोचने समझने की क्षमता में गिरावट देखी गई जबकि 1,108 में स्ट्रोक की समस्या सामने आई।

लोगों को ध्यान देना चाहिए कि वे क्या खा रहे

मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल के प्रोफेसर डॉ. डब्ल्यू टेलर किम्बर्ली का कहना है कि हर व्यक्ति को न केवल इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि वह क्या खा रहा है, बल्कि इस पर भी विचार करना चाहिए कि वह कैसे बनता है। इन खाद्य पदार्थों का सीमित सेवन दिमाग को स्वस्थ रखने में मददगार साबित हो सकता है।

8 फीसदी बढ़ी स्ट्रोक की समस्या

शोध के अनुसार, दुनिया में करीब 14 फीसदी वयस्क और 12 फीसदी बच्चे अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स की लत के शिकार हैं। इन खाद्य पदार्थों को लेकर लोगों में जो लगाव है वह करीब-करीब शराब और तंबाकू जितना ही बढ़ चुका है। बहुत ज्यादा प्रोसेस किए खाद्य पदार्थों के सेवन में 10 फीसदी के इजाफे से याददाश्त से जुड़ी समस्याओं का खतरा 16 फीसदी तक बढ़ गया। दूसरी ओर बिना प्रोसेस किए भोजन के सेवन से जोखिम 12 फीसदी तक घट गया। इसी तरह इसका सेवन करने से स्ट्रोक का खतरा आठ फीसदी तक बढ़ गया, जबकि कम करने से स्ट्रोक का जोखिम नौ फीसदी तक घट गया।

क्या होते हैं अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स

जब प्राकृतिक तरीके से प्राप्त खाद्य उत्पादों को कई लेवल पर प्रोसेस किया जाता है जिससे वह कई दिनों तक खाने योग्य बने रहें या फिर जब डीप फ्राई करके उनकी कुदरती संरचना को बदल दिया जाता है तो ऐसे खाद्य उत्पादों को अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स कहते हैं। इनमें आमतौर पर चीनी, वसा, नमक ज्यादा और प्रोटीन तथा फाइबर कम होते हैं।

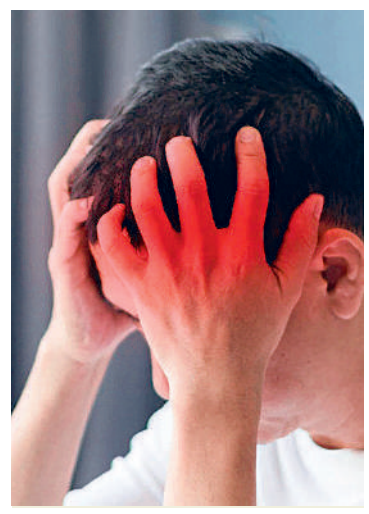

ज्यादा नमक के सेवन से हर साल 30 लाख मौतें

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े भी दर्शाते हैं कि हर साल जरूरत से ज्यादा नमक (सोडियम) का सेवन करने से दुनिया में 30 लाख से ज्यादा लोगों की जान जा रही है। इसके साथ ही इसकी वजह से रक्तचाप और हृदय सम्बन्धी रोगों का खतरा भी बढ़ रहा है।

साइड प्लैंक से बनाइए सेहत छोटे-छोटे टिप्स आजमाएं

अपने वर्कआउट के दौरान अधिकतर लोग प्लैंक जरूर करते हैं। इसे कोर के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इतना ही नहीं, प्लैंक करते हुए उसमें कुछ वैरिएशन भी की जाती है। इन्हीं में से एक है साइड प्लैंक। यह आपके कोर को मजबूती देने के साथ-साथ ऑब्लिक्स को भी टारगेट करता है। ऐसे में आपको अधिक बेनिफिट मिलता है। आमतौर पर क्रंचेस या प्लैंक शरीर के सामने सिक्स-पैक पेट की मसल्स को टारगेट करती हैं।

लेकिन अगर आप अपने कोर को मजबूत और टोन करना चाहते हैं, तो आपको अपने ऑब्लिक्स पर भी काम करना चिहए। ऐसे में साइड प्लैंक करना यकीनन काफी फायदेमदं रहता है। हालांकि, इस दौरान अपनी बॉडी को बैलेंस करना और सही पोश्चर मेंटेन करना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। ऐसे में कुछ छोटे-छोटे टिप्स आपके बेहद काम आ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको साइड प्लैंक करते हुए ध्यान में रखना चाहिए-

बॉडी एलाइनमेंट का रखें ध्यान

जब आप साइड प्लैंक करते हैं तो उस दौरान आपको अपनी बॉडी एलाइनमेंट का ध्यान रखना चाहिए। साइड प्लैंक करते हुए अपनी कोहनी को सीधे अपने कंधे के नीचे रखें। इस तरह आपको शोल्डर ज्वॉइंट पर बहुत अधिक दबाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा यह भी ध्यान रखें कि आपका शरीर सिर से एड़ी तक एक सीधी रेखा बनाए।

अपने कोर को करें शामिल

जब आप साइड प्लैंक करते हैं तो उस दौरान पेट की मसल्स को टाइटन कर लें। इससे आपको स्टेबिलिटी बनाए रखने में मदद मिलती है। साथ ही साथ, रीढ़ को भी सहारा मिलता है। ऐसे में आप अधिक बेहतर तरीके से साइड प्लैंक कर पाते हैं।

पैरों की पोजिशन पर दें ध्यान

साइड प्लैंक करते हुए पैरों की पोजिशन पर ध्यान देना भी बेहद जरूरी है। आमतौर पर, लोग इसमें गड़बड़ करते हैं और उनके लिए साइड प्लैंक करते हुए होल्ड करना मुश्किल हो जाता है। साइड प्लैंक करते हुए आप बेहतर तरीके से बैलेंस करने के लिए अपने पैरों को एक-दूसरे के ऊपर रखें या एक पैर को दूसरे के सामने थोड़ा सा रखें। इस दौरान आप अपने पैरों को सीधा और मजबूत रखें।

ब्रीदिंग पर करें फोकस

साइड प्लैंक करते हुए ब्रीदिंग पर ज्यादा फोकस करने की भी जरूरत है। कई बार लोग साइड प्लैंक करते हुए अपनी सांसों को रोक लेते हैं। ऐसा करने की गलती ना करें। आप लगातार सांस लें। इससे आपकी मसल्स में ऑक्सीजन का प्रवाह बना रहता है। जब आप साइड प्लैंक करते हैं तो शुरुआत में 15 से 30 सेकंड तक होल्ड करें। इसके बाद, आप अपनी क्षमतानुसार समय बढ़ाते जाएं।

गुग्गल धूप के इन सरल उपायों से दूर करें घर का वास्तु दोष

घर में वास्तु दोष हो तो नकारात्मकता हावी होने लगती है और घर में पारिवारिक क्लेश के साथ-साथ कई परेशानियां जन्म ले लेती हैं। वास्तु दोष अगर घर में है तो इसके कई संकेत भी मिलते हैं जिन्हें अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं, जिसकी वजह से वास्तु दोष बढ़ते-बढ़ते इतना बढ़ जाता है कि घर में गंभीर घटनाएं होने लगती हैं। इसी कारण से वास्तु शास्त्र में माना गया है कि वास्तु दोष उत्पन्न होने पर तुरंत उसका उपाय कर लेना चाहिए।

वास्तु दोष दूर करने के लिए गुग्गल धूप के उपाय

रोजाना शाम के समय गुग्गल धूप के साथ पीली सरसों घर में जलाएं और उसका धुआं घर के कोने-कोने में करें। ऐसा करने से घर का वास्तु दोष दूर होगा और नकारात्मकता भी कम होने लगेगी।

अगर वास्तु दोष के कारण घर में पारिवारिक क्लेश ने जन्म ले लिया है तो ऐसे में गोबर के कंडे के ऊपर गुग्गल धूप डालकर उसे जलाएं। ऐसा करने से गृह शांति स्थापित होगी और कलश दूर होगा।

अगर वास्तु दोष के कारण आपके काम बनते-बनते बिगड़ रहे हैं तो गुग्गल धूप जलाकर मंदिर के सामने रखें और फिर उसकी राख को लाल कपड़े में लपेटकर अपने पर्स में छिपाकर रख लें।

अगर वास्तु दोष के कारण आपके वैवाहिक जीवन में समास्या आ रही है या फिर विवाह में देरी हो रही है तो गुग्गल धूप को रोजाना बेडरूम में जलाएं। इससे दांपत्य जीवन सुखी होगा और विवाह जल्दी होगा।

मिट्टी के बर्तन में दूध उबालने से पहले जानें ये टिप्स

आज भी कई ऐसे लोग हैं जो स्टील के बर्तनों में दूध उबालने के बजाय मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप भी मिट्टी के बर्तन इस्तेमाल करते हैं, लेकिन दूध उबालते वक्त बार-बार बाहर आ जाता है तो ये टिप्स आपके लिए मददगार साबित हो सकता है।

एक वक्त था जब मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाया जाता था, लेकिन अब वक्त बदल गया है। मार्केट में खाना पकाने के लिए कई तरह के बर्तन आने लगे हैं जैसे- स्टील के बर्तन, एल्यूमिनियम के बर्तन आदि। हालांकि, अभी भी कुछ लोग ऐसे हैं जो मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाना पसंद करते हैं। आज भी गांव और छोटे कस्बों में घरों में महिलाएं मिट्टी के बर्तनों में भोजन पकाती हैं।हालांकि, अब वैसे भी मिट्टी के बर्तनों के बर्तनों का चलन बढ़ गया है, लोग मैगी से लेकर मटन आदि बनाने के लिए मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करने लगे हैं। कुछ लोग घरेलू काम के लिए मिट्टी के बर्तनों का इस्तेमाल करते हैं जैसे- सब्जी बनाने के लिए खाना पकाने के लिए आदि। मगर कुछ लोग सिर्फ दूध उबालने के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं, अगर आप भी इसका इस्तेमाल करते हैं तो यह लेख आपके लिए मददगार साबित हो सकता है क्योंकि हम आपको मिट्टी के बर्तन यानी मटके में दूध उबालने के हैक्स बता रहे हैं।

मिट्टी के बर्तन को अच्छी तरह से करें साफ- मिट्टी के बर्तनों को साफ करने के लिए आप डिशवॉशिंग सोप और डिटर्जेंट का इस्तेमालनहीं कर सकते हैं। अगर आप ऐसा करते हैं तो साबुन मिट्टी के बर्तन के पोर्स में घुस जाएगा और इसके बाद वह बर्तन इस्तेमाल करने लायक नहीं बचेगा। मगर मिट्टी के बर्तन में खाना बनाने के बाद उसे धोना बेहद जरूरी है। इसलिए आप मिट्टी के बर्तन में आधे से भी कम मात्रा में पानी भरें और उसे गैस पर गरम करें। ध्यातन रखें कि आपको पानी उबालना नहीं है। पानी इतना गर्म हो कि उसे हाथ से टच किया जा सके। इसके बाद इसे अच्छी तरह से साफ करें और इस्तेमाल करें।

दूध डालने से पहले पानी उबालें-अच्छी तरह से धोने के बाद मटका सुखाएं। सुखाने के बाद पानी से मटका भर दें। अब इसे गैस पर रखें और तेज आंच पर उबाल लें। उबालने के बाद पानी को अच्छी तरह से मिलाएं और गैस बंद कर दें। गैस बंद करने के बाद पानी ठंडा करें और फिर मटका खाली कर दें। जब मटका खाली हो जाए, तो पानी अच्छी तरह से सुखा लें।

नाइटमेयर डिसऑर्डर प्रभावित करता है आपकी मेंटल हेल्थ को

हम सभी सपने देखते हैं,यह जिंदगी का एक हिस्सा है। हम कभी अच्छे सपने देखते हैं तो कभी बुरे देखते हैं। ऐसा कहा जाता है कि जब आप अच्छा सोचते हैं तो आपको अच्छे सपने आते हैं और जब कुछ नेगेटिव सोचते हैं तो बुरे सपने आते हैं, लेकिन अगर आपको बार-बार हर रोज बुरे सपने आने लगते तो यह चिंता का विषय है। यह एक तरह के विकार की तरफ इशारा करता है। मेडिकल टर्म में हम इसे नाइटमेयर डिसऑर्डर के नाम से जानते हैं। अगर इस डिसऑर्डर का इलाज नहीं किया जाए तो आपकी मेंटल हेल्थ भी खराब हो सकती है। आइए जानते हैं इस बारे में हेल्थ एक्सपर्ट कमल किशोर वर्मा से

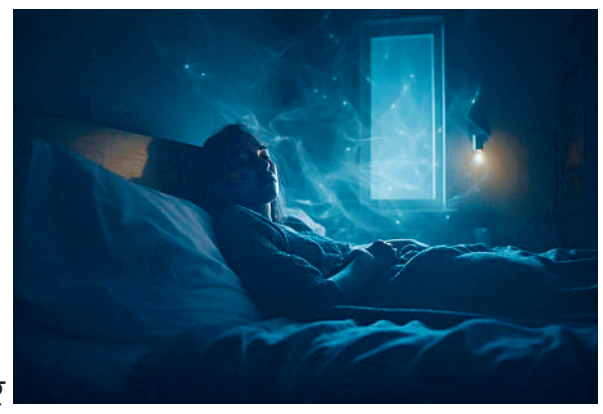

नाइटमेयर कैसे मेंटल हेल्थ को करता है प्रभावित?

नाइटमेयर डिसऑर्डर में बार-बार डरावने या बुरे सपने आते हैं। इसके कारण अचानक से नींद खुल जाती है, पसीना आने लगता है और फिर कुछ देर तक डर लगता रहता है। ऐसा होने के बाद दोबारा से सोने में परेशानी होती है। यह समस्या अक्सर आधी रात में ही होती है।

इसके कारण आपकी नींद में खलल पड़ता है और नींद पूरी नहीं होने के कारण आपको अगले दिन परेशानी हो सकती है। आप अपने कामकाज पर फोकस नहीं कर पाते हैं। जिससे चिड़चिड़ापन हो सकता है ऐसा होने पर व्यक्ति ओवर थिंकिंग का शिकार हो जाता है, उसे ऐसा महसूस होता है कि शायद कुछ बुरा होने वाला है। इससे बार-बार नकारात्मक ख्याल हावी होता है। जिसके कारण चिंता तनाव, डिप्रेशन और एंजायटी जैसी समस्या हो जाती है

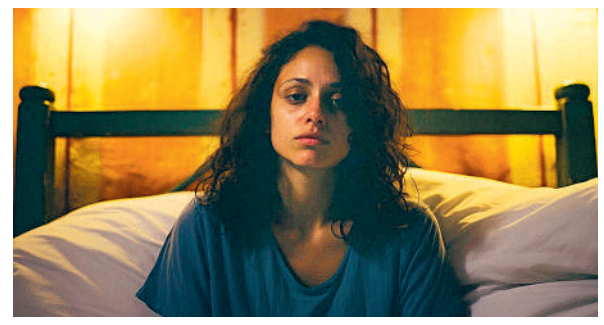

खबर संक्षेप

शपथ लेने के बाद विधायकी छोड़ेंगे बृजमोहन

रायपुर। रायपुर लोकसभा से चुनाव जीतने वाले बृजमोहन अग्रवाल अभी तत्काल में प्रदेश के मंत्री का पद और विधायिकी नहीं छोड़ रहे हैं। पहले दिल्ली में सांसद पद की शपथ लेने के बाद ही वे विधायिकी से इस्तीफा देंगे। फिलहाल लोकसभा के सांसदों की शपथ की अभी तिथि तय नहीं है, इसलिए अभी विधायक का पद छोड़ने की जल्दबाजी नहीं है। पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ने वाले बृजमोहन अग्रवाल रिकॉर्ड मतों से जीते हैं। सांसद बनने के बाद उनको विधायक का पद छोड़ना पड़ेगा। श्री अग्रवाल इस समय प्रदेश में न सिर्फ विधायक हैं, बल्कि प्रदेश के मंत्री भी हैं। ऐसे में उनके विधायिकी छोड़ने के बाद जहां रायपुर दक्षिण विधानसभा की सीट खाली हो जाएगी, वहीं एक मंत्री का पद भी खाली हो जाएगा। दोनों पदों पर प्रदेश के भाजपा नेताओं और विधायकों की नजरें हैं।

विधायकी छोड़ने की जल्दी नहीं

श्री अग्रवाल के सांसद बनने के बाद अब उनको देर सवेर विधायक का पद छोड़ना पड़ेगा। लेकिन फिलहाल विधायिकी छोड़ने की उनको जल्दबाजी नहीं है। श्री अग्रवाल से जुड़े लोगों का कहना है, पहले सांसद पद की दिल्ली में होने वाली शपथ के बाद ही वे विधायक का पद छोड़ेंगे। जानकारों के मुताबिक सांसद पद की शपथ लेने के बाद उनको हर हाल में 14 दिनों के अंदर विधायक का पद छोड़ना पड़ेगा।

चार हजार अवैध पंजीयन पर उठे सवाल

रायपुर। लाइफ टाइम पंजीयन प्राप्त करने वाले फार्मासिस्टों पर एक बार फिर सवाल उठाया गया है। इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन द्वारा इसके सहित अन्य अनियमितताओं को सुधारने रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा गया है। दस बिंदुओं में सौंपें गए ज्ञापन में अनुभव आधारित पंजीयनों की जांच, लाइफ टाइम पंजीयन को खत्म करना, ताकि चार हजार अवैध पंजीयनों की जांच हो सके, मेडिकलों में फार्मासिस्ट की उपस्थिति जांचने फार्मेसी इंस्पेक्टर की नियुक्ति, पंजीयन को पूर्णतः ऑनलाइन करना, कौंसिल ऑफिस की स्वयं की बिल्डिंग निर्माण, एवं फ़ार्मेसी पेशे के नियमों का कड़ाई से पालन कराने की मांग की गई है।

आचार संहिता हटते ही विधायक निधि का फंड जारी, नए कार्यों को स्वीकृति, विकास में आएगी तेजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य सरकार ने विधायकों के लिए हर साल जारी होने वाली चार करोड़ रुपये की विधायक निधि की राशि जारी कर दी है। यह राशि आचार संहिता हटते ही जारी कर दी गई। फंड जारी होते ही विधायक भी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में जनता के हितों में जरूरत व मांगों के अनुसार विकास कार्यों के लिए योजना एवं सांख्यिकी विभाग को अनुशंसा कर मंजूरी करा सकेंगे, ताकि उनके क्षेत्रों में विकास कार्य भी जल्द से जल्द पूर्ण हो सकें।

राज्य में तीन चरणों में लोकसभा चुनाव हुआ। इसके कारण प्रदेश में 20 मार्च से आचार संहिता प्रभावशील हो गई। आचार संहिता के कारण राज्य सरकार ने भी अप्रैल में विधायकों को जारी करने वाली विधायक निधि की राशि जारी नहीं की थी। आचार संहिता के दौरान वैसे भी नये कार्यों को

स्वीकृति देना, लोकार्पण, नये कार्य के लिए टेंडर आदि सभी कार्य आचार संहिता के उल्लंघन के दायरे में आता है। संभावना जताई जा रही है कि इसे देखते हुए आचार संहिता हटने के बाद विधायक निधि की राशि जारी की गई है। फंड जारी होते ही विधायक भी अब अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में नये विकास कार्यों को स्वीकृति दे पाएंगे, वहीं प्रशासन, नगर निगम व ग्राम पंचायत स्तर पर पेंडिंग पड़े नए कार्यों के लिए टेंडर भी निकाले जाएंगे।

सालाना फंड 4 करोड़ रुपये

विधायक निधि से प्रत्येक विधायक को सालाना फंड 4 करोड़ रुपये जारी किया जा रहा है। इस बार भी उतनी ही राशि जारी की गई है। हालांकि विधानसभा चुनाव 2023 के दौरान सालाना फंड राशि में 40 प्रतिशत कटौती की गई थी, जिसके कारण विधायक निधि से 2 करोड़ 63 लाख 66 हजार रुपए का फंड जारी किया गया है। इस फंड में प्रभारी मंत्री का 66 लाख 66 हजार रुपए समाहित था। हालांकि 4 करोड़ में कटौती की गई, शेष 40 प्रतिशत राशि को विधानसभा चुनाव में नवनिर्वाचित विधायकों को जारी किया गया था। विधायकों ने अपने क्षेत्रों में इस राशि से नये विकास कार्यों को स्वीकृति भी दिला चुके हैं।

2 माह बीत चुके, फंड खर्च करने अब 4 माह ही

आचार संहिता के कारण विधायक निधि का फंड इस बार दो महीने विलंब से जारी किया गया है, वहीं आगामी दिसंबर में राज्य में नगरीय निकाय चुनाव होना है। इसके मद्देनजर अक्टूबर या नवंबर में फिर आचार संहिता लगने की संभावना है। आचार संहिता के दौरान फिर नये कार्यों की स्वीकृति पर ब्रेक लग जाएगा। इस तरह देखा जाए, तो विधायकों के पास अब सिर्फ 4 महीने ही विधायक निधि की राशि खर्च करने का समय बचा है। इन 4 महीनों के भीतर विधायकों को नये कार्यों की स्वीकृति दिलानी होगी।

विधायक निधि का सालाना फंड जारी

विधायक निधि का सालाना फंड 4 करोड़ रुपये जारी कर दिया गया है। फंड जारी होने के साथ विधायक नये कार्यों को स्वीकृति दिलाने विभाग को अनुशंसा कर सकते हैं।

- **प्राची मिश्रा**, उप संचालक योजना एवं सांख्यिकी विभाग

राधिका खेड़ा ने लिखा- नाड़ा तो छत्तीसगढ़ की जनता ने दूसरी बार आपका काट दिया

भूपेश के बयान पर भाजपा नेताओं ने घेरा, अजय बोले- जो कभी पजामा नहीं पहने उन्हें नाड़े का क्या अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दिए गए नाड़े वाले बयान पर अब भाजपा नेताओं ने उन पर चौतरफा हमला किया है। एक तरफ जहां भाजपा के वरिष्ठ विधायक और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा है कि जो कभी पजामा नहीं पहने उन्हें नाड़े का क्या अनुभव। वहीं कांग्रेस से भाजपा में आई राधिका खेड़ा ने लिखा है, नाड़ा तो छत्तीसगढ़ की जनता ने दूसरी बार आपका काट दिया। भाजपा मीडिया विभाग के प्रमुख अमित चिमनानी ने भी इस मामले में तीखा हमला किया है।

लोकसभा चुनाव को लेकर एक दिन पहले ही प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बयान दिया था कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पजामा का नाड़ा काट दिया है। पार्टी तोड़ने, चुने हुए मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने, डराने-धमकाने वालों को जनता ने अच्छा सबका सिखाया है। अब इसको लेकर भाजपा नेता पलटवार कर रहे हैं।

भूपेश ने कहा - राहुल गांधी ने मोदी के पाजामे का नाड़ा काट दिया है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

लोकसभा चुनाव परिणाम जारी होने के बाद आए परिणाम को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री ने मोहला-मानपुर में टिप्पणी करते हुए कहा कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पाजामा का नाड़ा काट दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्टी तोड़ने, चुने हुए मुख्यमंत्रियों को जेल में डालने तथा डराने धमकाने वालों को देश की जनता ने सबक सिखाया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने एक्स पर ट्विट करते हुए एनडीए में फूट पड़ने की बात कहते हुए सालभर के भीतर मध्यवधि चुनाव होने की आशंका व्यक्त की है। पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस्तीफा दे रहे हैं, उत्तरप्रदेश में योगी आदित्यनाथ की कुर्सी हिल रही है। इसके साथ ही राजस्थान में भजनलाल की स्थिति डगमगा रही है। भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की कुर्सियां डगमगा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक वे जरूर चुनाव जरूर हार गए हैं, लेकिन हमें तैयार रहना है। 6 महीना सालभर में फिर से मध्यावधि चुनाव हो सकता है। इसके लिए हमें तैयार रहना है। पूर्व मुख्यमंत्री के मुताबिक गठबंधन के साथ-साथ भाजपा के नेताओं में भी विवाद शुरू हो गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने देश में जल्द ही मध्यावधि चुनाव होने का दावा किया

अजय-राधिका का हमला

भूपेश बघेल के पोस्ट और वीडियो को लेकर अब अजय चंद्राकर ने अपनी पोस्ट में लिखा- जो कभी पजामा नहीं पहने उन्हें नाड़े का क्या अनुभव, तो वो क्या नाड़ा काटेंगे। गला फाड़ते-फाड़ते तो इनकी जवानी निकल गई। इधर भाजपा नेता राधिका खेड़ा ने भी इस मामले में जवाब देते हुए पोस्ट पर लिखा- नाड़ा तो छत्तीसगढ़ की जनता ने दूसरी बार आपका काट दिया। इसी के साथ राधिका ने लिखा है, आपने 30 अप्रैल 2024 को शाम 7.14 बजे आपने मुझे छत्तीसगढ़ छोड़ने के लिए कहा था, लेकिन लगातार आपको छत्तीसगढ़ छोड़ रहा है।

स्तरहीन बयान : चिमनानी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान पर कड़ा ऐतराज जताते हुए बयान को स्तरहीन बताया है। श्री चिमनानी ने कहा, श्री बघेल विधानसभा चुनाव की करारी शिकस्त और लोकसभा चुनाव की हार के बाद अब राहुल, पाजामा और नाड़े से बाहर निकलकर राजनीतिक सच का सामना करने की हिम्मत दिखाएं। श्री चिमनानी ने कहा, खुद भूपेश बघेल राजनांदगांव में चुनाव हार गए, उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की शर्मनाक हार हुई, राहुल गांधी, जिनके लिए भूपेश बघेल बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं, के नेतृत्व में कांग्रेस ने 2014, 2019 और 2024 में 3 लोकसभा चुनाव लड़े हैं और तीनों चुनाव की सीटों को मिलाकर भी कांग्रेस ने कुल 195 सीट मात्र जीती है, जबकि भाजपा ने केवल 2024 के लोकसभा चुनाव में 240 सीटें जीती हैं और इसकी तुलना में कांग्रेस की सीटें काफी कम हैं, तो फिर श्री बघेल की भाषा में किसने, किसका नाड़ा काटा है।

साय मंत्रिमंडल सभी विधायकों के साथ दिल्ली में, आज मोदी के शपथ ग्रहण के बनेंगे साक्षी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार शाम को होने वाले शपथ ग्रहण में प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार का पूरा मंत्रिमंडल, सभी विधायक, नवनिर्वाचित और निवृतमान सांसद तथा प्रदेश भाजपा के सभी पदाधिकारी भी शामिल होंगे। मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम तो पहले से ही दिल्ली में हैं, अब मंत्रिमंडल के सभी मंत्री, विधायक और भाजपा नेता शनिवार को सुबह से लेकर रात तक अलग-अलग विमानों से दिल्ली पहुंच गए हैं। प्रदेश के कुछ पदाधिकारी सुबह जाएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। उनके शपथ ग्रहण को लेकर भाजपा ने उन राज्यों के मंत्रियों और विधायकों को भी न्योता दिया है, जहां पर भाजपा की सरकारें हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ को भी बड़ा न्योता मिला है।

ये पहुंचे दिल्ली : जिन नेताओं को आमंत्रण मिला है, उसमें सबसे अहम प्रदेश की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ पूरा मंत्रिमंडल शामिल है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और दोनों डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव पहले से ही दिल्ली चले गए थे। शनिवार को प्रदेश के ज्यादातर मंत्री और विधायक दिल्ली पहुंच गए। सभी सांसद भी दिल्ली में हैं। निवृतमान सांसद, प्रदेश संगठन के पदाधिकारी भी शनिवार को यहां से दिल्ली से लिए उड़े और वहां पहुंच गए। भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय और कुछ और पदाधिकारी रविवार सुबह यहां से दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

बीए पार्ट-2 के नतीजे घोषित

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय द्वारा बीए पार्ट-2 के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। परीक्षा परिणाम 45 फीसदी रहा और 6462 छात्र उत्तीर्ण हुए। रविवि के कुलसचिव द्वारा जारी किए गए परिणाम के मुताबिक इस परीक्षा में कुल 14361 छात्र शामिल हुए थे, जिसमें 4003 अनुत्तीर्ण, 3688 पूरक घोषित किए गए। 208 के परीक्षा परिणाम रोके गए और 310 परीक्षा में शामिल नहीं हुए। परीक्षा परिणाम की घोषणा के बाद नियमानुसार विद्यार्थी 15 दिन तक पूरक और पुनर्गणना के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

रायपुर दक्षिण के लिए भाजपा कांग्रेस में थोक में दावेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

रायपुर दक्षिण के विधायक बृजमोहन अग्रवाल के सांसद बनने के बाद अब उनका विधायक के पद से इस्तीफा देने के बाद यहां की सीट खाली हो जाएगी। ऐसे में रायपुर दक्षिण से अभी से भाजपा और कांग्रेस के थोक में दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। साल के अंत में नगरीय निकाय के चुनाव भी होने हैं, ऐसे में संभावना है कि इसी के साथ रायपुर दक्षिण का भी चुनाव होगा। छत्तीसगढ़ बनने के बाद से ही रायपुर दक्षिण में बृजमोहन अग्रवाल का एकछत्र राज रहा है। उनके रहते यहां से किसी और को कभी भाजपा से टिकट मिला ही नहीं। पहली बार उनके सांसद बनने के कारण अब इस सीट से थोक में दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। माना तो यह भी जा रहा है कि इस सीट से किसी को टिकट देने से पहले पार्टी बृजमोहन अग्रवाल से भी उनकी मंशा पूछ सकती है। संभावना यह भी है कि यहां का प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल की पसंद का हो सकता है।

रायपुर दक्षिण सीट पर उपचुनाव के लिए मचेगा घमासान

कांग्रेस से अभी इनकी दावेदारी

कांग्रेस के दावेदारों का जहां तक सवाल है, तो नगर निगम रायपुर के सभापति प्रमोद दुबे, एमआईसी के सदस्य सतनाम पनाग, पूर्व में चुनाव लड़ चुके कन्हैया अग्रवाल, सन्नी अग्रवाल और आकाश शर्मा के नाम प्रमुख हैं। इनके अलावा भी और कई नाम तब सामने आ सकते हैं, जब यहां पर चुनाव की तैयारी प्रारंभ होगी। इस बार कांग्रेस से हर नेता मैदान पर उतरने की तैयारी करेगा, क्योंकि सामने अपराजेय योद्धा बृजमोहन अग्रवाल नहीं होंगे।

ये हैं भाजपा के दावेदार

भाजपा में दावेदारों की फौज है। यहां से रायपुर के सांसद सुनील सोनी का भी नाम है। इसी के साथ नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे, नगर निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष सुभाष तिवारी, पार्षद मृत्युंजय दुबे, भाजपा के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, गौरीशंकर अग्रवाल, अमित साहू, अमित चिमनानी, केदार गुप्ता, नंदन जैन, नरेश गुप्ता के साथ बृजमोहन अग्रवाल से साथ 35 सालों से काम कर रहे मनोज शुक्ला का भी नाम है। मनोज शुक्ला लंबे समय तक विद्यार्थी परिषद, भाजयुमो में भी काम कर चुके हैं। भाजपा के और भी कई नेता लगे हुए हैं।

आरक्षण पर फिर गरमाई सियासत बैज बोले- भाजपा की नीयत में खोट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में आरक्षण के मुद्दे पर एक बार फिर से सियासत गरमा गई है। आरक्षण विवाद सुलझाने के लिए राज्य सरकार ने पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। समिति का अध्यक्ष कृषि मंत्री रामविचार नेताम को बनाया गया है। कमेटी दो साल के भीतर एसटी-एससी, ओबीसी आरक्षण पर सरकार को अपना सुझाव देगी। कांग्रेस ने इस पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, राज्य की भाजपा सरकार वंचित वर्ग को उनका आरक्षण नहीं देना चाहती, इसीलिये आरक्षण संशोधन विधेयक पर राज्यपाल के हस्ताक्षर करवाने के बजाय सरकार ने नई कमेटी बना दी है। आरक्षण को लेकर भाजपा की नीयत में खोट उजागर हो गई है।

उन्होंने कहा, यही नहीं सरकार ने कमेटी का कार्यकाल भी दो वर्ष का रखा है अर्थात कमेटी गठन कर आरक्षण को भाजपा सरकार ने दो वर्ष तक टाल दिया है। सरकार को कमेटी बनाने की जरूरत क्या है। सभी वर्गों के लिये आरक्षण संशोधन विधेयक राज्य की विधानसभा ने सर्वसम्मति से पारित करवा कर राज्यपाल के पास भेजा है। आरक्षण संशोधन विधेयक में एसटी को 32 प्रतिशत, एससी को 13 प्रतिशत, ओबीसी के लिये 27 प्रतिशत तथा अनारक्षित वर्ग के गरीबों के लिये 4 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। भाजपा बताये कि वह आरक्षण संशोधन विधेयक के किस प्रावधान से असहमत है, जो कमेटी का गठन किया गया है।

कमेटी गठन पर उठाए सवाल

श्री बैज ने कहा, सरकार बताये कि आरक्षण को लेकर उसने कमेटी का गठन क्यों किया है? क्या राजभवन ने पुराने विधेयक को सरकार को वापस कर दिया है? राजभवन ने अपनी तरफ से सरकार से विधेयक के संबंध में कोई सवाल पूछा है, जो सरकार ने कमेटी का गठन किया है। कमेटी के गठन से ही आरक्षण को लेकर भाजपा सरकार की बदनीयती झलक रही है। सरकार येन केन प्रकारेण आरक्षित वर्गों का आरक्षण रोकना चाहती है।

टालमटोल करना है- अमरजीत

आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर कमेटी और दो साल के समय पर पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने कहा, केवल राज्यपाल से अनुमति लेना है, लेकिन इसके लिए दो साल का समय लेना लिंगर ऑन करना है। समय दो साल नहीं, छह महीने करें। इन्हें जैसे-जैसे दिल्ली और नागपुर से आदेश आया होगा, वैसा करते हैं।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल -18, तहसील व जिला - रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांकः- 03-06-2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम- टेमरी प.ह.न.- 78 रा.नि.मं-रायपुर-18 तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. में आवेदक श्री सत्येन आहूजा पिता श्री कन्हैयालाल आहूजा वगै. निवासी सक्सेना नर्सिंग होम के सामने अवंती विहार, रायपुर (छ.ग.) द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 259/58, 259/1 रकबा 0.078 हे, 0.015 हे. का सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र.- Q अ-12 वर्ष- 2023-24 आदेश दिनांक 29.12.2023 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन/बटांकन दिनांक 10.06.2024 को समय 12:00 बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा / आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत कोई भी दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक रायपुर-18

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मण्डल -18, तहसील व जिला - रायपुर

आम सूचना

जारी दिनांकः- 03-06-2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम- धरमपुरा प.ह.न.- 78 रा.नि.मं-रायपुर-18 तहसील व जिला-रायपुर छ.ग. में आवेदक श्री सत्येन आहूजा पिता श्री कन्हैयालाल आहूजा वगै. निवासी सक्सेना नर्सिंग होम के सामने अवंती विहार, रायपुर (छ.ग.) द्वारा धारित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 284/29, 284/9 (284/12) (284/34) रकबा 0.113 हे., 0.019 हे., 0.040 हे. का सीमांकन/बटांकन हेतु आवेदन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के समक्ष प्रस्तुत किये जाने के उपरांत न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के रा.प्र.क्र.- Q अ-12 वर्ष- 2023-24 आदेश दिनांक 29.12.2023 के परिपालन में आवेदक की भूमि का सीमांकन/बटांकन दिनांक 10.06.2024 को समय 12:00 बजे किया जाना नियत है। अतएव उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय के पूर्व पटवारी कार्यालय में एवं उक्त तिथि व समय को आवेदित स्थल पर उपस्थित होकर उक्त खसरा नंबर के संबंध में जो भी दावा / आपत्ति हो तो प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में सीमांकन/बटांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन/बटांकन उपरांत कोई भी दावा/ आपत्ति मान्य नहीं होगी। सो सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक रायपुर-18

आम-सूचना

ग्राम-टोकरो, प.ह.न. 24 रा.नि.मं. नवापारा, तहसील अभनपुर, जिला-रायपुर स्थित भूमि के संबंध में

सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने विक्रेता श्री सुनील जोशी पिता श्री लतेलराम जोशी, निवासी वार्ड नं. 19, परसटटी, जिला - रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं अधिपत्य की ग्राम-टोकरो, प.ह.न. 24 रा.नि.मं. नवापारा, तहसील अभनपुर, जिला-रायपुर में स्थित भूमि खसरा नंबर 1464/4 रकबा 0.3200 हे. भूमि को क्रय किए जाने का पक्का सौदा कर इकरारनामा का निष्पादन किया है तथा बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय, अर्द्धशासकीय को उपरोक्त सौदे पर किसी भी तरह की हक, उजर, दावा आपत्ति हो वह इस आमसूचना प्रकाशन के 7 दिनों के अंदर अपने आपत्ति लिखित रूप से मय दस्तावेज मेरे नीचे लिखे पते पर मेरे समक्ष प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि समाप्ति उपरांत कोई भी दावा आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी तथा विधि अनुसार शून्य करणीय मानी जावेगी।

सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग.

दिनांक – 07/06/2024

भवदीय

राकेश कुमार कौशल (अधिवक्ता)

लक्ष्मीनारायण मंदिर परिसर, लिली चौक, पुरानीबस्ती, रायपुर (छ.ग.)

मो. 93010-10132

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल, मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर, छत्तीसगढ़

आम सूचना

जारी दिनांक 06.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री/श्रीमती प्रिति मिश्रा पति दाऊ उर्फ गणेश शंकर मिश्रा निवासी मूरा जिला रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम मूरा पटवारी हल्का नंबर 32 राजस्व निरीक्षक मंडल मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर मे स्थित भूमि खसरा नंबर 925, 926, 924, 931/2 रकबा क्रमशः 0.858, 0.733, 0.445, 0.259, 0.769 योग रकबा 3.064 हेक्टेयर भूमि का श्रीमान तहसीलदार खरोरा के आदेश दिनांक 30.05.2024 के परिपालन मे दिनांक 12.06.2024 का समय 11:00 बजे पश्चात मेरे द्वारा सीमांकन किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उल्लेखित तिथि को या पूर्व नियत समय तक हल्का पटवारी के कार्यालय मे मय दस्तावेज सहित स्वयं या अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

राजस्व निरीक्षक मंडल, मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर, छ.ग.

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल, मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर, छत्तीसगढ़

आम सूचना

जारी दिनांक 06.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री दाऊ उर्फ गणेश शंकर मिश्रा पिता लखन लाल मिश्रा निवासी मूरा जिला रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम मूरा पटवारी हल्का नंबर 32 राजस्व निरीक्षक मंडल मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर मे स्थित भूमि खसरा नंबर 928, 929, 930/2, 931/1 रकबा क्रमशः 0.571, 0.263, 0.660, 0.765 योग रकबा 2.259 हेक्टेयर भूमि का श्रीमान तहसीलदार खरोरा के आदेश दिनांक 30.05.2024 के परिपालन मे दिनांक 12.06.2024 का समय 11:00 बजे पश्चात मेरे द्वारा सीमांकन किया जाना नियत है।

अतः उक्त सीमांकन मे जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वह उल्लेखित तिथि को या पूर्व नियत समय तक हल्का पटवारी के कार्यालय मे मय दस्तावेज सहित स्वयं या अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात मेरे द्वारा किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा।

राजस्व निरीक्षक मंडल, मोहरेंगा तहसील खरोरा जिला रायपुर, छ.ग.

आम सूचना

ग्राम बोरियाकला प.ह.नं. 117 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित छ.ग. गृह निर्माण मंडल की स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत स्कीम सेडार सामान्य आवास योजनांतर्गत कालोनी बोरियाकला रायपुर में भूखंड क्रमांक सेडार 11/44 जो कि खसरा नंबर 1493/1, 1495/1, 1496, 1498/2 रकबा 1049 वर्गफुट भूमीमय मकान के संबंध में

सर्वविदित हो कि मेरे पक्षकार श्री सापावत नागलू, पिता श्री सापावत संगया निवासी सेडार 43 हाउसिंग बोर्ड कालोनी बोरियाकला रायपुर छ. ग. ने विक्रेता पंकज कुमार झा पिता श्री जितेन्द्र नाथ झा निवासी रजबंधा मैदान एकात्म परिसर रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की संपत्ति स्थित ग्राम बोरियाकला प.ह.नं. 117 रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग. स्थित छ.ग. गृह निर्माण मंडल की स्ववित्तीय योजना के अंतर्गत स्कीम सेडार सामान्य आवास योजनांतर्गत कालोनी बोरियाकला रायपुर में भूखंड क्रमांक सेडार- 11/44 जो कि खसरा नंबर 1493/1, 1495/1, 1496, 1498/2 रकबा 1049 वर्गफुट को क्रय करने का सौदा किया है तथा ब्याना की राशि भी अदा कर दी गयी है केवल केवल बैनामा पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः उपरोक्त वर्णित संपत्ति के स्वत्व, अंतरण, के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक, शासकीय अर्द्धशासकीय विभागों को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज मेरे नीचे लिखे कार्यालय में कार्यालयीन समय पर मेरे समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद म्याद मेरे पक्षकार द्वारा विक्रय विलेख का निष्पादन अपने पक्ष में करा लिया जावेगा। तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति शून्य व अवैध होने से मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जानें।

रायपुर छ.ग.

दिनांक.....

(धीरज बावनकर)

अधिवक्ता नयापारा फुलचौक रायपुर जिला रायपुर छ.ग.

मो.नं. 9111044444

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

आम सूचना

जारी दिनांक 07.06.2024

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अजय कुमार सोनी पिता श्री रामगोपाल सोनी निवासी टैगोर नगर रायपुर द्वारा आवेदित भूमि ग्राम अमलीडीह प.ह.नं. 69 रा.नि.मं.- रायपुर-11, तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 168/48 रकबा 0.0139 हे. का सीमांकन न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 15.04.2024 के परिपालन में दिनांक 12.06.2024 को समय 12 बजे पश्चात मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी के पूर्व पटवारी हल्का नंबर 69 के अमलीडीह स्थित कार्यालय में या नियत दिनांक को स्थल पर अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नही होगा।

राजस्व निरीक्षक, रायपुर-11

गर्मी की छुट्टियों का आनंद लें

गॉस मेमोरियल मैदान में

फन एण्ड फिश वर्ल्ड

हैण्डलूम और हैण्डीक्राफ्ट मेला

शुरू हो गया अब रायपुर में !

अब तक का सबसे बड़ा मेला फिश टनल के साथ ...

रायपुर में पहली बार
दुबई फिश टनल और एक्वेरियम

ORIGINAL DUBAI FISH TUNNEL

स्थान ▶ **गॉस मेमोरियल मैदान**

आकाशवाणी, काली मंदिर के सामने, सिविल लाइन्स, रायपुर

sumit

खबर संक्षेप

नीट यूजी रिजल्ट को लेकर एनएसयूआई का विरोध प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

रायपुर। नीट यूजी-2024 के रिजल्ट पर विवाद गहराता जा रहा है। देशभर के अलग-अलग शहरों में छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। छात्र नीट रिजल्ट रद्द करने और दोबारा परीक्षा कराने की मांग कर रहे हैं। नीट रिजल्ट को लेकर एनएसयूआई ने बाबा साहब आंबेडकर की मूर्ति के सामने प्रदर्शन किया। एनएसयूआई ने मांग की है कि रिजल्ट रद्द किया जाए और सीबीआई से जांच कराई जाए। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष अमित शर्मा ने कहा कि नीट परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एक प्राइवेट संस्था है। सरकार ने प्राइवेट एजेंसियों के हाथों में छात्रों का भविष्य दे दिया है। नीट परीक्षा में एक साथ इतनी संख्या में एक जैसे नंबर मिलना संदेह पैदा करता है। यह लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है, जो घंटों बैठकर विषम परिस्थितियों में पढ़ाई करते हैं। इसलिए सरकार को इसमें दखल देते हुए इस परीक्षा परिणाम को रद्द करना चाहिए। सीबीआई से जांच कराकर जिम्मेदारों के खिलाफ भी कार्रवाई करनी चाहिए। नीट परीक्षा के परिणाम में एक साथ 67 विद्यार्थियों को 720 में से 720 अंक मिले हैं। एनएसयूआई ने छात्रों को दिए गए ग्रेस मार्क्स पर भी सवाल उठाया। साथ ही कहा कि कुछ विद्यार्थियों को 718 और 719 अंक भी आए हैं, जबकि नियमानुसार किसी भी तरह से किसी छात्र के 718 और 719 अंक नहीं आ सकते, नीट में 200 प्रश्न होते हैं, जिसमें छात्रों को 180 प्रश्न का उत्तर देना होता है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 4 अंक निर्धारित होते हैं. एक गलत होने पर चार अंक कम होने के साथ एक अंक माइनस होता है, ऐसे में एक प्रश्न गलत होने पर 718 या 719 अंक संभव ही नहीं है।

राहगीरों को किया शर्बत वितरण

रायपुर। सिखों के पांचवे गुरु, गुरु अर्जुन देव का शहीदी दिवस पूरे शहरभर में मनाया गया। शब्द कीर्तन से राजधानी रायपुर के गुरुद्वारे गूंज उठे। सैकड़ों श्रद्धालुओं ने लंगर का प्रसाद चखा। संगत ने छबील सेवा में योगदान दिया। इसी कड़ी में होरा परिवार द्वारा शनिवार को गुरु गोविंद सिंग चौक पर ठंडे शर्बत व प्रसाद का वितरण राजधानीवासियों और राहगीरों को किया गया। इस अवसर पर हरमीत सिंह होरा, मिनी होरा परिवार शामिल हुए।

गजराज तालाब को पर्यटन केंद्र के रूप में किया जाएगा विकसित

रायपुर। शहर के बोरियाखुर्द स्थित गजराज तालाब को पर्यटन के रूप में जल्द ही विकसित किया जाएगा। विधायक मोतीलाल साहू और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह शनिवार को इस तालाब का निरीक्षण किया। इस दौरान विधायक ने कहा कि गजराज तालाब पर्यटन केंद्र के रूप में उभर सकता है, इसलिए इसका सौंदर्यीकरण बेहतर तरीके से किया जाए। कलेक्टर ने इसके बाद संबंधित अधिकारियों को तालाब को विकसित करने के लिए ड्राइंग डिजाइन तैयार करने के निर्देश दिए हैं। 200 एकड़ में फैले गजराज तालाब को विकसित और सुंदर बनाने के लिए तालाब के चारों ओर प्लांटेशन का कार्य किया जाएगा। यहां जल संरक्षण के लिए भी कार्य किया जाएगा। कलेक्टर ने बांध के चारों ओर बेहतर तरीके से सौंदर्यीकरण करने के भी निर्देश दिए है।

मवेशी तस्करी कांड में एसआईटी गठित, टीम हर पहलू की करेगी जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आरंग थाना क्षेत्र में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात मवेशी तस्करी मामले में मवेशी तस्करी कांड में दो की मौत तथा एक के गंभीर रूप से घायल होने के मामले की जांच करने एसएसपी संतोष सिंह के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई है। एसआईटी में 14 सदस्यी पुलिसकर्मी के साथ अफसर शामिल हैं।

एसआईटी एएसपी ग्रामीण कीर्तन राठौर के नेतृत्व में गठित की गई है। टीम में एएसपी ग्रामीण के साथ क्राइम डीएसपी, संजय सिंह, माना सीएसपी लंबोदर पटेल, आंग टीआई सत्येंद्र श्याम, मंदिर हसौद टीआई सचिन सिंह के साथ सायबर सेल प्रभारी परेश पाण्डेय शामिल हैं।

गौरतलब है कि घटना दिनांक को महासमुंद, आरंग थाना क्षेत्र की सीमा से सटे महानदी पुल के नीचे एक ट्रक ड्राइवर चांद मियां मृत हालत में मिला था। इसके अलावा गुड्डू खान तथा सद्दाम खान गंभीर हालत में मिले थे, गुड्डू खान की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। तीनों पर आरोप था कि वे महासमुंद बोरंडा बाजार से मवेशी तस्करी कर ओडिशा ले जाने की फिराक में थे, जिन्हें महानदी पुल के पुल के पास रोका गया। इसके बाद तीनों के साथ मारपीट कर पुल के नीचे फेंके जाने की आशंका है। इसके साथ ही यह भी आशंका जताई जा रही है कि मारपीट के डर से तीनों पुल के नीचे कूद गए।

एएसपी ग्रामीण कीर्तन राठौर के नेतृत्व में 14 सदस्यीय टीम जांच करेगी

इन बिंदुओं पर एसआईटी जांच करेगी

घटना की जांच के लिए जो एसआईटी टीम गठित की गई है, उनके द्वारा इस बात की जांच की जाएगी कि तीनों को मारकर फेंका गया है या फिर तीनों जान बचाने के लिए पुल से नीचे कूदे हैं। इसके साथ ही क्राइम डीएसपी तथा सायबर सेल प्रभारी घटनाक्रम की तकनीकी जांच करेंगे। इसमें ट्रक चालक और उसके साथी जिस रूट से निकले थे, उस रूट की पुलिस तथा सायबर सेल की टीम रास्ते में पड़ने वाले सीसीटीवी कैमरों की जांच करेंगे। इसके साथ ही घटना में कितने लोग शामिल थे, पुलिस इस बात की भी जांच करेगी।

अंतिम समय में चांद मियां ने किया भाई को कॉल

घटना के बाद पुलिस ने ट्रक ड्राइवर चांद मियां के भाई शोहेब खान की शिकायत पर गैर इरादतन हत्या की धारा 304 तथा हत्या की कोशिश 307 और आईपीसी की धारा 34 के तहत अपराध दर्ज किया है। मृतक के भाई ने पुलिस को बताया है कि उसके भाई ने उसे बताया कि रांग साइड से वो अपने दो अन्य साथियों के साथ आ रहा था, इसी दौरान कुछ लोगों ने उनका बाइक से पीछा किया। पुल के पास टायर फटने की वजह से वो आगे नहीं बढ़ पाए। इसके बाद बाइक सवार लोगों ने उन लोगों को रोक लिया और मवेशी तस्करी करने के आरोप में विवाद कर उन लोगों के साथ मारपीट की। शोहेब के अनुसार उसके भाई ने उसे बताया कि मारपीट की घटना में उसके हाथ पैर टूट गए हैं और वो चल फिर नहीं पा रहा है। चांद मियां ने अपने भाई से आकर बचाने की बात कही। शोहेब जब तक घटना स्थल पहुंचा, चांद मियां की मौत हो चुकी थी।

नई बसाहट के बीच सीवरेज लाइन का अभाव सर्वे व प्लानिंग अटकी इसलिए होगा जलभराव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- बिरगांव निगम के 9 वार्डों में इस बारिश में बिगड़ेगा सिस्टम, मेटल पार्क में अभी से ऐसा हाल

इस साल होने वाली बारिश में बिरगांव निगम के 9 वार्डों में सुविधा की पोल खुलने वाली है। ऐसा इसलिए होगा,क्योंकि जिम्मेदारों ने अभी तक नई बसाहट के बीच सिवरेज निकासी के लिए नालियों का निर्माण भी नहीं करवाया है। इसके लिए सर्वे करवाने में लापरवाही की गई है। इसका खामियाजा मेटल पार्क, रावांभाठा, उरकुरा, उरला व अछोली की नई बस्तियों ही नहीं, बल्कि 15 साल पहले बसे मजदूर नगर में रहने वाले परिवारों को भी भुगतना पड़ेगा।

बिरगांव निगम की 15 साल पुरानी बसाहट के बीच निगम के जिम्मेदारों ने पानी निकासी के लिए नालियों का निर्माण नहीं करवााया है। इस वजह से मेटल पार्क वार्ड क्रमांक 9 में अभी से व्यवस्था बिगड़ने लगी है। कुछ साल पहले तक आस-पास के खाली प्लाटों में पानी जाने से सामान्य दिनों में सड़क तक घरों की गंदगी नहीं पहुंचती थी, अब अधूरी-टूटी नालियों के कारण सिवरेज लाइन का गंदा पानी ओवरफ्लो होने से लोगों की आवाजाही के लिए बनवाई गई सड़क पर जमा होने लगा है। बारिश शुरू होने से पहले अव्यवस्था को देखते हुए लोगों को जलभराव की चिंता सताने लगी है। वैसे तो बिरगांव के कई वार्डों में अधूरी नाली निर्माण के चलते पानी निकासी की समस्या बारिश के दिनों में होती है। इस बार 9 वार्डों में जलभराव की स्थिति बनने वाली है। इसके बाद भी जिम्मेदारों ने नाली बनवाने के लिए सर्वे और प्लानिंग भी शुरू नहीं की है।

अनदेखी का खामियाजा भुगतेंगे लोग

महापौर की जिम्मेदारी बनती है, कि लोगों की सुविधा के लिए नई बसाहट के बीच नालियों का निर्माण करवाने के लिए सर्वे के साथ इसके लिए प्लानिंग करके शासन को प्रस्ताव भेजवाएं। इसमें की जा रही अनदेखी का खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ेगा।

- ओमप्रकाश साहू, नेता प्रतिपक्ष नगर निगम, बिरगांव

बचे हुए वार्डों के लिए बनवाए प्रस्ताव

15 साल पुरानी बसाहट के बीच क्यों नालियों का निर्माण नहीं हुआ, इसके बारे में बताना संभव नहीं है। अभी जिन-जिन वार्डों से मांग आ रही है। उसे संज्ञान में लेते हुए प्रस्ताव बनवाने के लिए दिशा-निर्देश दूंगा। जहां दिक्कत आ रही वहां सुधार करवाएंगे।

*- **नंदलाल देवांगन,** महापौर नगर निगम, बिरगांव*

इन वार्डों में बिगड़ेंगे हालात

मेटल पार्क, रावांभाठा के वार्ड 12 ही नहीं कैलाश नगर और आकाश नगर का पानी निकासी मेटल पार्क से उरला नाला तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त नाली का निर्माण नहीं हुआ है। वहीं उरकुरा नाला क्षेत्र में नई बसाहट के बीच सिवरेज लाइन नहीं है। बिरगांव के वार्ड 38 में पर्याप्त नाली नहीं है। अछोली के वार्ड 07 में सिवरेज लाइन का बुराहाल है। उरला नाला से सटे अछोली के 5 वार्डों से जुड़ी बस्तियों में जलभराव होना तय है। इन क्षेत्रों के खाली प्लाटों में लोगों ने मकान बना लिया और रहना शुरू कर दिया है। वहीं निगम ने पानी निकासी के लिए कोई इंतजाम नहीं किया है।

इस वजह से अटका है सर्वे

सूत्रों ने बताया कि जिन वार्डों में पानी निकासी का इंतजाम नहीं है। उन वार्डों में ज्यादातर लोगों ने जमीन दलालों से कम दाम पर जमीन लेने के बाद मकान बनवा लिया है। वहीं निगम के जिम्मेदारो ने इसलिए सुविधा देने के लिए सर्वे नहीं किया, क्योंकि वहां जरूरी निर्माण करवाने के लिए एमआईसी व सामान्य सभा में चर्चा नहीं हुई। इसे देखते हुए निगम के अधिकारी प्लानिंग नहीं करवा रहे हैं। इसके चलते 30 हजार से ज्यादा आबादी को बरसात में गंदगी और जलभराव का सामना करना पड़ेगा। वहीं निगम के जिम्मेदारों ने अभी तक ऐसे क्षेत्रों का सर्वे भी नहीं करवाया है।

हीमोग्लोबिन की दवाइयां जांच के दायरे में, राज्यभर से उठाए गए सैंपल

- जिला अस्पताल, ड्रग वेयर हाउस, बीईओ कार्यालय से लिए गए नमूने
- स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर सक्रिय हुआ औषधि विभाग का अमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्भवती महिलाओं और स्कूली बच्चों में हीमोग्लोबिन की कमी दूर करने वाली दवाओं को जांच के दायरे में रखा गया है। विभिन्न जिला अस्पताल, ड्रग वेयर हाउस, ब्लाक शिक्षा अधिकारी के कार्यालयों से खाद्य एवं औषधि विभाग की टीम ने इन दवाओं के नमूने जांच के लिए एकत्रित किए हैं।

स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने शुक्रवार को विभागीय अफसरों की बैठक लेकर एनीमिया पर रोक लगाने के लिए दवाओं की जांच के निर्देश दिए थे, जिसके बाद खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम सक्रिय हुई है। शनिवार को आईएफए- विफ्स जूनियर, विफ्स रेड, विफ्स ब्लू नामक दवाओं के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए कालीबाड़ी स्थित राज्य औषधि परिक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। इन दवाओं की गुणवत्ता परीक्षण के बाद आने वाले रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। अफसरों ने बताया कि खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम ने ड्रग वेयर हाउस जशपुर, कोरिया, जगदलपुर के साथ जिला अस्पताल रायपुर, राजनांदगांव, अंबिकापुर और कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी दुर्ग, धमतरी तथा बिलासपुर जिले के तखतपुर और कोटा के कार्यालय से दवाओं से सैंपल लिए गए हैं। सूत्रों के अनुसार जिन दवाओं को जांच के दायरे में रखा गया है, वे गर्भवती महिलाओं और बच्चों में हीमोग्लोबिन की कमी दूर कर शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक होता है।

दो सूने मकानों में चोरों का उत्पात नकदी, जेवर पर हाथ साफ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- विधानसभा थाना क्षेत्र में स्वास्तिक पार्क एवेन्यू की घटना

राजधानी में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं, अलग-अलग थाना क्षेत्र में आए दिन चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं। ऐसे ही एक मामले में विधानसभा थाना क्षेत्र में शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात दो सूने मकानों में चोरों ने धावा बोलते हुए आठ लाख रुपए से ज्यादा के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी पर हाथ साफ कर दिया। जिन लोगों के यहां चोरी की घटनाएं हुई है, उनमें एक बाहर गया था, दूसरा ड्यूटी पर गया था। चोरी की घटना से परेशान लोगों ने पुलिस को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस के मुताबिक भुरकोनी स्थित स्वास्तिक पार्क एवेन्यू में प्रशांत सिंह तथा कृष्णचंद तिवारी के घर चोरी की घटना हुई है। चोरों ने दोनों के मकान का मेन गेट का ताला तोड़कर मकान के अंदर प्रवेश किया। इसके बाद दोनों घरों की आलमारी खोलकर

लॉकर तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। पुलिस के अनुसार दोनों घटना को एक ही चोर गिरोह ने अंजाम दिया है। पुलिस को मौके पर सीसीटीवी फूटेज भी मिले हैं। फूटेज में दो से तीन संदिग्ध दिख रहे हैं। कालोनी में रहने वाले नीरज प्रताप सिंह, प्रशांत सिंह, धर्मेंद्र भट्ट, राज सिंह, गौरव के मुताबिक उनकी कालोनी में 50 से 60 परिवार निवासरत हैं। रहवासियों के मुताबिक कालोनी में पर्याप्त लाइट तथा गार्ड नहीं होने की वजह से चोरी की घटना हुई है। कालोनी में रहने वाले लोगों ने कालोनाइजर से पर्याप्त लाइट लगवाने के साथ गार्ड की व्यवस्था कराने की मांग की है।

रात 9 बजे हरिभूमि की...

जैसी घटनाएं भी यहां होने लगी हैं, वह भी लगातार। चोरियां तो जैसे रुटीन हो गई हैं। आखिर कमल विहार में अपराध ज्यादा क्यों होते हैं। इसकी पड़ताल की टीम हरिभूमि ने। हरिभूमि की टीम फोटोग्राफर के साथ रात 8 बजे लालपुर केनाल रोड से कमल विहार में प्रवेश किया। कमल विहार का यह प्रवेश द्वार सबसे व्यस्त इलाके से लगा हुआ है। इसमें प्रवेश करते ही कमल विहार की स्ट्रीट लाइटें बंद मिलीं। जिसके कारण सड़क से लेकर यहां बनी कालोनियों में भी अंधेरा नजर आया। दूर दूर तक केवल मकानों की लाइटें ही नजर आईं। रास्ते अंधेरे में डूबे हुए। खाली प्लाट सुनसान। कुछ लोग अंधेरे में बैठक करते दिखे। हमने उन्हें नशा करते हुए देखा। टीम कमल विहार के अन्य सेक्टरों की कालोनियों से गुजरते हुए डूमरतराई और डूंडा के मुख्य गेट तक भी पहुंची। इस दौरान कहीं भी सड़कों की स्ट्रीट लाइटें जलती नहीं दिखी, जिससे पूरा कमल विहार अंधेरे में डूबा नजर आया। इस पूरी पड़ताल के दौरान कमल विहार में अगर सड़कों पर कहीं रोशनी दिखी तो यहां से आना-जाना करने वाली गाड़ियों की लाइटों से दिखी। यह स्थिति देखकर टीम को भी महसूस हुआ आखिर कमल विहार में दहशत का माहौल क्यों है।

5 लाख से अधिक...

लेकिन यहां भी यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेन रद्द के बाद से लोगों ने सप्ताहभर पहले बस बुकिंग कराई है। बस में सीट कम होने से फैमिली यात्री को टिकट नहीं मिल रहा। ऐसे में दूसरी तारीख में टिकट खरीद रहे हैं।

यह ट्रेन रहेगी...

11) 12 जून 2024 से 19 जून मार्च 2024 तक 18236 बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
12) 13 जून 2024 से 20 जून 18235 भोपाल-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
13) 12 जून 2024 से 20 जून 2024 तक 11265 जबलपुर-अम्बिकापुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
14) 13 जून 2024 से 21 जून 2024 तक 11266 अम्बिकापुर-जबलपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
15) 12 जून 2024 से 20 जून 2024 तक 11201 नागपुर-शहडोल एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
16) 13 जून 2024 से 21 जून 2024 तक 11202 शहडोल-

पेज 11 के शेष ...

नागपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
17) 12, 14, 17 एवं 19 जून 11751 रीवा-चिरमिरी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
18) 13, 15, 18 एवं 20 जून 11752 चिरमिरी-रीवा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
19) 13 व 17 जून 12535 लखनऊ-रायपुर गरीब रथ एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
20) 14 एवं 18 जून 12536 रायपुर- लखनऊ गरीब रथ एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
21) 12 एवं 19 जून 20828 संतरागाछी - जबलपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
22) 13 एवं 20 जून 20827 जबलपुर- सांतरागाछी एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
23) 16 जून 2024 को 18213 दुर्ग-अजमेर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।
24) 17 जून 2024 को 18214 अजमेर- दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

छग-ओडिशा बस ऑपरेटरों...

करेंगे तथा बस ऑपरेटरों का सहयोग करेंगे। इधर बैठक के बाद छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के अध्यक्ष अनवर अली का कहना कहा कि बैठक में समझौता हुआ है, लेकिन अगर इसके बाद भी ओडिशा में प्रदेश की बसों का संचालन नहीं करने दिया जाता, तो ऐसी परिस्थिति का सामना करने तथा दूसरे किसी भी राज्य में बसों का संचालन करने में सक्षम हैं। **ओडिशा की बसों में भी लोकल सवारी बैठाते हैं बस ऑपरेटर :** इस विवाद पर छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के पदाधिकारियों का कहना है कि जिसे लेकर ओडिशा बस यूनियन ने विवाद खड़ा किया है, वह सरासर गलत है। उनका कहना है कि छत्तीसगढ़ में ओडिशा से आने वाली बसों में लोकल सवारियों को बैठाया जाता है, इसलिए यह कोई विवाद का कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि अंतर्राज्यीय परमिट दूसरे राज्य में बस का संचालन के लिए ही लिया जाता है। रहा लोकल सवारियों के बैठाने का तो अगर दोनों राज्य के बीच समझौता होता है कि लोकल सवारी बैठाना नहीं है, तो दोनों राज्य के बीच इसके लिए समझौता होना चाहिए। **बैठक में ये रहे उपस्थित :** इस बैठक में छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के पदाधिकारियों में अनवर अली, प्रमोद दुबे, प्रकाश देशलहरा, अमरजीत सिंह चहल के अलावा ओड़िशा राज्य के बरगढ़, संबलपुर, राजा खरियार रोड सहित अन्य शहरों से आए बस ऑपरेटर यूनियन के प्रतिनिधियों में भवानी शर्मा, इदरिश भाई, बालाजी पानिग्रही, संतोष दलबेहरा, सुशांत तांडी, अक्षय नंदा, सत्या तांडी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मां देने वाली थी...

गांव में रहने वाले मजदूर परिवार से संबंधित कृष्णा की बीमारी काफी गंभीर थी और पहले पेरीटोनियल फिर हीमोडायलिसिस कुछ दिनों के अंतराल में जरूरत पड़ रही थी। किडनी प्रत्यारोपण और कुछ समय तक इलाज के बाद वह अब सामान्य तरीके से अपना जीवन जी सकेगा और अन्य बच्चों के साथ खेलकूद कर अधूरी पढ़ाई भी पूरी कर सकेगा। कृष्णा के पिता दिनेश ने बताया कि आठ माह से चल रहे इलाज के दौरान चिकित्सकों ने उसकी किडनी बदलने की सलाह दी थी। काफी दिन इंतजार के बाद मां बेटे को अपनी किडनी देने तैयार थी, इसकी प्रक्रिया शुरू की जानी थी कि अचानक उन्हें बताया गया कि कृष्णा की खातिर किडनी मिल गई है और उसका ऑपरेशन किया जाना है। पिता के अनुसार कोई भगवान बनकर उनकी जिंदगी में आया और अपनी किडनी के जरिए नया जीवन दे गया। उस नन्हे फरिश्ते और उनके परिजनों का शुक्रगुजार है। **स्टाफ ने ली अंगदान की शपथ :** रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल ने प्रदेश में अंगदान के लिए विशेष मुहिम चला रखी थी। इस मुहिम के तहत ब्रेनडेड मरीजों के परिजनों की काउंसिलिंग कर उन्हें अंगदान कर दूसरों को जीवनदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा था। इस मुहिम के तहत रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के डॉक्टर्स एवं स्टाफ ने भी विगत दिनों अंगदान के लिए संकल्प पत्र भरा था। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. संदीप दवे ने बताया कि मेडिकल क्षेत्र में हुए नवाचारों के कारण अब बहुत से अंगों का प्रत्यारोपण संभव है। उन्होंने बताया कि ब्रेनडेड मरीज से मिले किडनी-लिवर को अनुभवी डाक्टरों की टीम ने पूरा किया।

एम्स में पहला पीडियाट्रिक...

डॉ. विनय राठौर ने बताया कि यह प्रदेश में पहला पीडियाट्रिक केडेवरिक रीनल ट्रांसप्लांट है। ट्रांसप्लांट के दौरान उनकी टीम में डॉ. अमित आर. शर्मा, डॉ. दीपक बिस्वाल, यूरोलॉजी विभाग और डॉ. प्रदीप, एनेस्थिसिया विभाग भी शामिल थे। ट्रांसप्लांट समन्वय का कार्य विनिता पटेल और अंबे पटेल शामिल रहे।

शूटर्स को पिस्टल बेचने...

खरीदने 35 हजार रुपए में सौदा किया। मामले का खुलासा करते हुए एएसपी क्राइम संदीप मित्तल ने बताया कि शूटर रोहित सोनी को पिस्टल बेचने के आरोप में राजवीर सिंह चावला को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि रोहित सोनी तथा उसके दो अन्य साथी फिरौती नहीं देने पर रायपुर तथा रायगढ़ में कोल कारोबारी तथा सड़क ठेकेदार की हत्या करने की नीयत से रायपुर आए थे। बदमाश अपनी मंशा में कामयाब हो पाते, इसके पूर्व पुलिस ने उन्हें दबोचने में कामयाबी हासिल की। **पूर्व में भी कई लोगों को बेच चुका है हथियार :** राजवीर ने पुलिस को बताया है कि उनका मूल काम बरतन बनाने का है। पैसों के लालच में आकर पीतल, लोहा मिक्स कर पिस्टल जैसे घातक हथियार बनाकर बेचने लगा। अपने द्वारा बनाए पिस्टल को बेचने के लिए राजवीर ने ग्राहक तलाश करने फेस बुक को माध्यम बनाया। राजीवर ने पुलिस को बताया है कि वह अब तक चार से पांच लोगों को पिस्टल बनाकर बेच चुका है। राजवीर ने पूर्व में किन लोगों को पिस्टल बेचा है, इसकी जानकारी उसे नहीं है।

महिला सुरक्षा गार्ड ने...

निजी एजेंसी कॉल मी सर्विस के माध्यम से आंबेडकर अस्पताल में सुरक्षा गार्ड की नौकरी करती थी। आज दोपहर लगभग दो बजे अस्पताल की ओपीडी समाप्त होने के दौरान वहां काम करने वाले कर्मचारियों का ध्यान रेडियोलॉजी विभाग के एक बंद कमरे की तरफ गया, जहां महिला की लाश दुपट्टे से बनाए गए फंदे के सहारे पंखे से लटक रही थी। घटना की जानाकरी होने पर वहां हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस चौकी की टीम ने शव को नीचे उतारा और चिकित्सकीय जांच के बाद उसे मृत घोषित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। काफी सालों से वहां काम करने वाले सुरक्षा गार्ड ने आत्म हत्या क्यों कर ली, पुलिस इसकी जांच में जुटी हुई है।

बिजनेस साइट

श्री अमृतम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की बढ़ती लोकप्रियता

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के प्राइम लोकेशन गंगा डायग्नोस्टिक के पास पचपेड़ी नाका स्थित 100 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल श्री अमृतम सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। इस हॉस्पिटल में अनुभवी एवं उच्चस्तरीय चिकित्सकों की टीम है। 100 बिस्तरो वाले इस सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में न्यूरो सर्जरी, रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन, गले और मुंह की सर्जरी, हड्डी के इलाज की सुविधा, सामान्य सर्जरी, क्रिटिकल केयर, ब्रेन ट्यूमर, ब्रेन हेमरेज, सिरदर्द, माइग्रेन की समस्या, पेन (किसी भी तरह का दर्द) का इलाज अनुभवी चिकित्सकों की टीम द्वारा किया जाता है। यह हॉस्पिटल 24 घंटे एवं सातों दिन मरीजों की सेवा में निरंतर कार्यरत है।

कोलंबिया कॉलेज में राष्ट्रीय वेबिनार

रायपुर। कोलंबिया कॉलेज ने 'थिंकिंग टुवर्ड्स वाटर विजडम : पॉसिबिलिटीज एंड चैलेंजेज' पर एक राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।

इस वेबिनार में प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. विपिन दुबे तथा द्वितीय सत्र की मुख्य वक्ता डॉ. दीप्ति आचार्य रहीं। इस वेबिनार में हरजीत सिंह हूरा, डॉ. अरुण कुमार दुबे, डॉ. आभा दुबे उपस्थित थे। इस राष्ट्रीय वेबिनार में देशभर से 666 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. अरुण कुमार दुबे ने सभी का स्वागत किया और कार्यक्रम का परिचय प्रस्तुत किया। हरजीत सिंह हूरा ने सभी प्रतिभागियों से अपने दैनिक जीवन में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए अपनी आदतों में परिवर्तन लाने का आग्रह किया।

आबकारी ऑफिस के पास सड़क से हटाया अतिक्रमण

रायपुर। नगर निगम जोन-4 कमिश्नर राकेश शर्मा और प्रभारी नगर निवेशक पद्माकर श्रीवास के निर्देश पर विभागीय टीम ने शनिवार को सिविल लाइंस स्थित आबकारी कार्यालय के बगल में सड़क पर किए गए अवैध कब्जे को मुक्त कराया गया। नगर निवेश उप अभियंता मनीषा निराला ने बताया कि कब्जा हटाने के लिए पूर्व नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद भी कब्जा हटाया नहीं जा रहा था। टीम ने कार्रवाई कर बेजा कब्जा हटाया।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

online Booking:-www.tripuryatra.com

स्पेशल ट्रेन से 08 जून से 14 जून 2024
जय माता दी... चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है.... सबसे कम राशि पर
माता वैष्णव देवी
हरिद्वार,मथुरा वृंदावन (श्री कृष्ण जन्मभूमि)
अंतिम अवसर केवल 09 सीट बांकी
राशि: स्लीपर 8500/- 3 एसी 16,500/-2 एसी 21,500/ (+ 5% GST)
छत्तीसगढ़ के श्रवण कुमार Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा
RAIPUR- D-36 Sector - 4 Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411